



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 9, 1970/वैशाख 19, 1892
No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 9, 1970/ VAISAKHA 19, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

नोटिस NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 25 मार्च, 1970 तक प्रकाशित किये गये :—

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 25th March, 1970:—

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
102	S.O. 1101, dated 18th March, 1970.	Ministry of Foreign Trade.	Direction that order No. S.O. 620 dated the 14th February, 1969 shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 9th April, 1970.
	का० आ० 1101, दिनांक 18 मार्च, 1970।	विदेशी व्यापार मंत्रालय।	निदेश देना कि आदेश सं० का० आ० 620, दिनांक 14 फरवरी, 1969 का प्रभाव 9 अप्रैल, 1970 तक, जिस में यह तारीख भी शामिल है, की अवधि तक के लिए बना रहेगा।
103	S.O. 1102, dated 18th March, 1970.	Do.	The Exports (Control) Sixth Amendment Order, 1970.
104	S.O. 1103, dated 20th March, 1970.	Ministry of Petroleum, Chemicals, Mines and Metals.	The Aluminium (Control) Order, 1970.

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
	S.O. 1104, dated 20th March, 1970.	Ministry of Petroleum, Chemicals, Mines and Metals.	Fixing the sale prices of aluminium of the different producers, manufacturers or dealers.
1105	S.O. 1105, dated 20th March, 1970.	Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs.	Appointing a body of persons for making a complete investigation into the circumstances of fall of production in respect of Cotton Textiles manufactured in the Edward Mills Co. Ltd., Beawar (Rajasthan).
1106	S.O. 1106, dated 20th March, 1970.	Election Commission of India.	Bye-election from 16 Buldara Parliamentary Constituency in the State of Maharashtra.
	एस० ओ० 1106, दिनांक 21 मार्च, 1970 ।	भारत निर्वाचन आयोग ।	16-बुलडारा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से उप-निर्वाचन ।
	S.O. 1107 dated 21st March, 1970.	Do.	Appointment of dates with respect to the above bye-election (S.O. 1106).
	एस० ओ० 1107, दिनांक 21 मार्च, 1970 ।	तदैव	ऊपरवाले उप-निर्वाचन के बारे में तारीखें नियत करना (एस० ओ० 1106) ।
	S.O. 1108, dated 21st March, 1970.	Do.	Fixation of hours for the above bye-election (S.O. 1106).
	एस० ओ० 1108, दिनांक 21 मार्च, 1970 ।	तदैव	ऊपर वाले उप-निर्वाचन के बारे में समय नियत करना (एस० ओ० 1106) ।
1107	S.O. 1170, dated 21st March, 1970.	Do.	Bye-election to the Council of States by the elected members of the Legislative Assembly of Mysore State.
	एस० ओ० 1170, दिनांक 21 मार्च, 1970 ।	तदैव	मैसूर विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा राज्य सभा के लिए निर्वाचन ।
1108	S.O. 1171, dated 21st March, 1970.	Do.	Election to the Council of States by the elected members of the Legislative Assembly of Kerala
	एस० ओ० 1171, दिनांक 21 मार्च, 1970 ।	तदैव	केरल विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा राज्य सभा के लिए निर्वाचन ।
	S.O. 1172, dated 21st March, 1970.	Do.	Election to the Council of States by the elected members of the Maharashtra Legislative Assembly.
	एस० ओ० 1172 दिनांक 21 मार्च, 1970 ।	तदैव	महाराष्ट्र विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा राज्य सभा के लिए निर्वाचन ।

Issue No.	No. and Date	Issued by	Subject
	S.O. 1173, dated 21st March, 1970.	Election Commission of India.	Election to the Council of States by the elected members of the Punjab Legislative Assembly.
	एस० ओ० 1173, दिनांक 21 मार्च, 1970 ।	भारत निर्वाचन आयोग	पंजाब विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा राज्य सभा के लिए निर्वाचन ।
109	S.O. 1174, dated 25th March, 1970.	Do.	Election to the Provisional Legislative Assembly of Meghalaya from the Electoral College of the Autonomous District of Jowai.
	एस० ओ० 1174, दिनांक 25 मार्च, 1970 ।	तदैव	जोवाई स्वायत्त जिले के निर्वाचकगण से मेघालय की अस्थायी विधान सभा के लिए निर्वाचन ।
110	S.O. 1175, dated 25th March, 1970.	Do.	By-election to the Council of States by the Elected Members of the Haryana Legislative Assembly.
	एस० ओ० 1175, दिनांक 25 मार्च, 1970 ।	तदैव	हरयाणा विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा राज्य सभा के लिए उप-निर्वाचन ।

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियाँ प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांगपत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी । मांगपत्र प्रबन्धक क पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से 10 दिन के भीतर पं० भेज जाने चाहिए ।

Copies of the Gazettes Extraordinary mentioned above will be supplied on indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

भाग II--खण्ड 3--उपखण्ड (ii)

PART II--Section 3--Sub-section (ii)

(राष्ट्र प्रशासन को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ क्षेत्र प्रशासन को छोड़कर)

केंद्रीय प्राधिकरणों द्वारा जारी किये गये विधिक आदेश और अधिसूचनाएं ।

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories).

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 9th April 1970

S.O. 1634.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Raja Ram S/o Shri Sita Ram, R/o village Pipara Bhikharl, Post Office Bangawa, District

Gonda, Uttar Pradesh, a contesting candidate for election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 161-Sadullanagar Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Raja Ram, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/161/69(22)]

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1970

एस०ओ० 1634.—उक्त निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 161-सादुल्लानगर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राजा राम सुपुत्र श्री सीताराम निवासी गांव पिपरा भिखारी, पोस्ट बनगांवा, जिला गोंडा, उत्तर प्रदेश, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

2. और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

3. अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री राजा राम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० उ० प्र०-वि० सं०/161/69/22]

New Delhi, the 14th April 1970

S.O. 1635.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kalu Chand, S/o Shri Mani Chand R/o village Baluwakote, Post Office Baluwakote, District Pithoragarh (Uttar Pradesh) a contesting candidate for election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 9-Didihat Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kalu Chand, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. UP-LA/9/69(23).]

नई दिल्ली, 14 अप्रैल, 1970

एस० ओ० 1635.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 9-डीडीहाट सभा निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कालूचन्द सुपुत्र श्री मनीचन्द, निवासी गांव बलुवाकोट, डा० बलुवाकोट, जिला पिथौरागढ़ (उ० प्र०), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्घीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री कालूचन्द को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उ० प्र०-वि० सं० 9/69 (23).]

New Delhi, the 22nd April 1970

S.O. 1636.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Shah Dildar, Village Salpa, P.O. Kunuri, District Birbhum (West Bengal), a contesting candidate for the mid-term election held in February, 1969, to the West Bengal Legislative Assembly from Suri constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Shah Dildar, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. WB-LA/274/69(12).]

By Order,

A. N. SEN, Secy.

नई दिल्ली, 22 अप्रैल 1970

एस० ओ० 1636.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी 1969 में हुए पश्चिमी बंगाल विधान सभा के लिए मध्यावधि निर्वाचन के लिए सूरी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री शाह दिलदार, ग्राम सालपा, पो० ब्रा० कूनूरी, जिला बीरभूम (पश्चिमी बंगाल), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951, तथा तद्घीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने उसे सम्यक् सूचना दिए जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है; तथा निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

यतः, अथ, उक्त अधिनियम की धारा 16-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री शाह दिलदार को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० १०१०/274/69/(12)]

आदेश से,

ए० एन० सैन, सचिव ।

ORDER

New Delhi, the 14th April 1970

S.O. 1637.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Basdeo Rishideo, R/o village Kamp, Tola Ramnagar, P.O. Kamp, District Saharsa (Bihar), a contesting candidate for mid-term election to the Bihar Legislative Assembly held in 1969 from Sonbarsa Assembly Constituency, has failed to lodge an account of his election expences as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

2. And whereas, the said candidate even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Basdeo Rishideo, to be disqualified for being chosen as and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/114/69(84)]

By order,

ROSHAN LAL, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 14 अप्रैल 1970

एस० ओ० 1637.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि बिहार विधान सभा के लिए 1969 में हुए मध्यावधि निर्वाचन के लिए 114-सोनबरसा निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बासदेव रिषीदेव, निवासी ग्राम कांप, टोला रामनगरा, पो० कांप, जिला सहारसा, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951, तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अभ्यक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, तथा निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण अथवा न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अथ, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री बासदेव रिषीदेव को संसद के दोनों सदनों में से किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० बिहार-वि० सं० 114/69(84)]

आदेश से,

रोशन लाल, सचिव ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

INCOME-TAX

New Delhi, the 23rd April 1970

S.O. 1638.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all the previous Notifications on the subject the Central Government hereby authorises:

1. Shri G. Subramanyam,
2. Shri P. Sreeramamurthy, and
3. Shri A. V. Krishna Rao.

who are Gazetted Officers of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from 1st May, 1970.

[No. 49(F. No. 404/55/70-ITCC).]

S.O. 1639.—In exercise of the powers conferred by Rule 4 of the Income-tax (Certificate Proceedings) Rules, 1962 and in supersession of all Notifications on the subject the Central Government hereby appoints the Commissioner of Income-tax, Andhra Pradesh-I, Hyderabad to be a Tax Recovery Commissioner.

2. This Notification shall come into force with immediate effect.

[No. 53 (F. No. 404/55/70-ITCC).]

R. D. SAXENA, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1970

एस० ओ० 1311.—बैंकिंग अधिनियम, 1949 (1949 के 10 वें) की धारा 53 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10-क और 10-ख के उपबन्ध निम्नलिखित बैंकिंग कम्पनियों पर लागू नहीं होंगे।

1. बैंक आफ करायकुडी लिमिटेड
2. रामदुर्ग बैंक लिमिटेड
3. सरस्वती बैंक लिमिटेड
4. श्री महालक्ष्मी फाइनेंस कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड
5. अफगान नेशनल बैंक (पाकिस्तान) लिमिटेड
6. बल्लिया बैंक प्राइवेट लिमिटेड
7. कर्मशियल बैंक लिमिटेड, कोल्हापुर
8. देवास सीनियर बैंक लिमिटेड
9. सेफ बैंक लिमिटेड
10. बैंक आफ बघेलखण्ड
11. भोर स्टेट बैंक लिमिटेड
12. बक आफ औध लिमिटेड (अवध बैंक लिमिटेड)

13. बंगाल दुभासं बैंक लिमिटेड
14. कूच बिहार बैंकिंग कारपोरेशन लिमिटेड
15. फरीदपुर बैंकिंग कारपोरेशन लिमिटेड
16. ग्रेट इण्डियन बैंक लिमिटेड
17. इण्टर प्राविशियल बैंकिंग कारपोरेशन लिमिटेड
18. कमला बैंक लिमिटेड
19. रायकूट इण्डस्ट्रियल बैंक लिमिटेड
20. तमलुक लोन ग्राफिस बैंकिंग कम्पनी लिमिटेड
21. असम बैंकिंग कारपोरेशन लिमिटेड
22. करीमगंज बैंकिंग ऐण्ड ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेड
23. यूनाइटेड मर्केन्टाइल बैंक (असम) लिमिटेड
24. पूर्णिया बैंकिंग कारपोरेशन लिमिटेड
25. कूच बिहार स्टेट बैंक लिमिटेड
26. मणिपुर स्टेट बैंक लिमिटेड
27. बैंक आफ भोपाल लिमिटेड
28. दुर्गा बैंक प्राइवेट लिमिटेड
29. ब्रह्म ट्रेडिंग बैंक लिमिटेड
30. लखनऊ बैंक लिमिटेड
31. फ्रन्टियर बैंक लिमिटेड
32. हिमालय बैंक लिमिटेड
33. श्री गोपाल इण्डस्ट्रियल बैंक लिमिटेड
34. डेराजाट बैंक लिमिटेड
35. बिजयराज बैंक प्राइवेट लिमिटेड
36. कांयम्बतूर श्री गणेश बैंक लिमिटेड
37. पी० एन० एन० बैंक लिमिटेड
38. सेठिया बैंक (प्राइवेट) लिमिटेड
39. श्रीनिवास पेरुमल बैंक लिमिटेड
40. धर्मपुरी तालुक कदगाथर श्री आनन्द बैंक लिमिटेड
41. श्री बैंकटेश्वर बैंक लिमिटेड
42. अशोक बैंक लिमिटेड
43. कलडीन सीरियल बैंक लिमिटेड
44. कोचीन कर्मागियल बैंक लिमिटेड
45. कर्मागियल बैंक लिमिटेड, कोट्टायम
46. देव राज विलासम् बैंक (प्राइवेट) लिमिटेड

47. जय भारत बैंक लिमिटेड
48. केरल कमर्शियल बैंक लिमिटेड
49. केरल नेशनल बैंक लिमिटेड
50. मालाबार सिटी बैंक (प्राइवेट) लिमिटेड
51. श्री पूर्णत्रयीस विलासम बैंक लिमिटेड
52. ट्रावनकोर जनरल बैंक लिमिटेड
53. वासुदेव विलासम बैंक (प्राइवेट) लिमिटेड
54. मार्तण्डम कमर्शियल बैंक लिमिटेड

[संख्या एफ० 15(13)-बी०सी०/69]

नयी दिल्ली, 2 अप्रैल, 1970

एस० ओ० 1313.—बैंकिंग विनियम अधिनियम, 1949 (1949 के दसवें) की धारा 53 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा यह घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड कानपुर की धौलपुर स्थित सम्पत्ति (भू-खण्ड) के सम्बन्ध में उस बैंक पर 15 मार्च, 1971 तक लागू नहीं होंगे।

[संख्या एफ० 15(5)-बी० सी०/70]

के० येसुरत्नम, अन्तःसचिव।

OFFICE OF THE COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE, KANPUR

Kanpur, the 17th March 1970

S.O. 1640.—In exercise of the powers conferred upon me under Section 2(a) of the Produce Cess Act, 1966 (15 of 1966) read with Government of India Notification No. 884, dated 26th March 1969, and in partial modification of the Central Excise Collectorate Kanpur, notification No. 2/1970, dated 5th February 1970, I, Shri V. Parthasarthy, Collector of Central Excise, Kanpur, hereby further authorise the Central Excise Officers specified in Column 2 of the subjoined table to exercise within their jurisdiction the powers of the "Collector" under the Produce Cess Act, 1966, enumerated in column 1 thereof, subject to limitations set out in Column 3 of the said table.

TABLE

Section of Produce Cess Act	Rank of Officer	Limitation, if any
7	(a) Superintendent of M.O.R. in whose Full powers jurisdiction the mill is situated.	
	(b) Inspector of Central Excise in case of Full powers. Isolated ranges	

[No. 6/1970.]

V. PARTHASARTHY, Collector.

COCHIN CUSTOMS & CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, COCHIN-3.**PRODUCE CESS***Cochin, the 25th April 1970*

S.O. 1641.—In exercise of the powers conferred upon me under Section 2(a) of the Produce Cess Act, 1966, (15 of 1966) read with Government of India Notification GSR 884 dated 26th March, 1969, I. L. S. Marthandam, Collector of Customs and Central Excise, Cochin, hereby make the following amendment in this Collectorate's Notification No. 1/70 dated the 2nd February, 1970, namely :—

In the Table appended to the said Notification, for the words "Assistant Collector" occurring in column 2 thereof against Section 18, the words "Deputy Collector, the Assistant Collector and the Superintendent" shall be substituted.

[No. 5/70 (Produce Cess).]

L. S. MARTHANDAM, Collector.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE*New Delhi, the 22nd April 1970*

S.O. 1642.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises—N. C. Corporation Private Ltd., Stadium House (3rd floor), Veer Nariman Road, Bombay-1, as the agency for the inspection of the organic chemicals specified in Schedule II annexed to the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S. O. 480, dated the 9th February, 1966 and directs that the following further amendment shall be made in the said notification, namely:—

In the said notification, in Schedule I, after Serial No. 17 and the entry relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

"18. N.C. Corporation Private Ltd., Stadium House (3rd floor), Veer Nariman Road, Bombay-1."

[No. 60(126)/Exp. Insp.65.]

M. K. B. BHATNAGAR,

Deputy Director (Export Promotion).

विदेशी व्यापार मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1970

का० आ० 1642 .—निर्यात (गुण नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा एन० सी० कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड स्टेडियम हाउस (3री मंजिल), वीर नारिमान रोड बम्बई-1 को, भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 480 तारीख 9 फरवरी 1966 से उपाबद्ध अनुसूची 2 में विनिर्दिष्ट कार्बनिक रसायनों के निरीक्षण के लिये अधिकरण के रूप में मान्यता देती है और यह निर्देश देती है कि उक्त अधिसूचना में और आगे निम्नलिखित संशोधन किये जाएंगे अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में अनुसूची 1 में क्रम संख्या 17 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

"18. एन० सी० कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड स्टेडियम हाउस (3री मंजिल)
वीर नारिमान रोड बम्बई-1."

[सं० 60(126)/एक्सपोर्ट इन्स्पेक्शन/65]

एम० के० बी० भटनागर,
उप-निदेशक, निर्यात संवर्धन ।

TEA CONTROL

New Delhi, the 27th April 1970

S.O. 1643.—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), read with rules 4 and 5 of the Tea Rules, 1954, the Central Government hereby appoints the Chief Secretary to the Government of Tripura as a member of the Tea Board in place of the Chief Commissioner, Government of Tripura and makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade and Supply (Department of Foreign Trade) No. 1498 the 17th April, 1969:—

In the said notification, for serial No. 3 and entry relating thereto, the following serial No. shall be substituted, namely:—

"3. The Chief Secretary, Government of Tripura, Agartala."

[No. 7(1)-PLANT(A)/68.]

M. L. GUPTA, Under Secy.

(Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

Bombay, the 22nd April 1970

SUBJECT:—Order for cancellation of Exchange Control Purpose Copy of Licence No. P/EI/0133178 dated 4th December 1969 issued in favour of M/s. Prataprai & Co. 52/54, Masjid Bunder Road, Bombay-3 for Rs. 39939 for Fruits Dried salted.

S.O. 1644.—M/s. Prataprai & Co., Bombay-3 were granted Import licence No. P/EI/0133178 dated 4th December 1969 for Rs. 1,39,939 for the imports of Fruits Dried, Salted Other Sorts 21(a)(ii) IV of this order for the licensing period O.M. 70 from Iran. They have applied for duplicate Exchange Control Purpose copy of the above-mentioned licence on the ground that the original Exchange Control Purpose copy of the licence has been lost or misplaced. It is further stated that the original licence was registered with Custom House/Bank and Partly utilised, to the extent of Rs. 1,27,251.

In support of this contention, the applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested before the Presidency Magistrate, Esplanade Court, Bombay. I am satisfied that the original Exchange Control Copy of the Licence No. P/EI/0133178 dated 4th December 1969 has been lost or misplaced and direct that a duplicate Exchange Control Purpose copy of the licence should be issued to the applicant for the unutilised balance of Rs. 12,688 only. The Original Exchange Control Copy of the licence No. P/EI/0133178, dated 4th December 1969 is cancelled.

[No. 21/21.AII/134899/O.M.70/E.I.I.679.]

MISS. S. D. MARATHE,

Dy. Chief Controller of Imports
For Jt. Chief Controller of Imports & Exports,
Bombay.

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDERS

New Delhi, the 24th April 1970

S.O. 1645.—M/s. Heatly & Gresham Ltd., Calcutta were granted an import Licence No. G/R/2086893/C/XX/30H/28 dated 15th January 1969 for Rs. 287. They have applied for duplicate copies of the licence (both Customs & Exchange Control purposes) on the ground that the original licence (both copies) has been lost without having been registered with any Customs authority and utilised at all. In support of this contention the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that the original licence No. G/R/2086893/C/XX/H/28 dated 15th January 1969 has been lost and that duplicate copies of both Customs & Exchange Control purposes copies should be issued to the applicant.

2. In exercise of the powers conferred by clause 9(cc) of the Imports (control) Order No. 17/55 dated 7th December 1955 as amended from time to time, the undersigned cancels the licence No. G/R/2086893/C/XX/30/H/28 dated 15th January 1969 for Rs. 287 for the import of Coupling wheel Assembly under 37.A/II of the ITC Schedule issued in favour of M/s. Heatly and Gresham Ltd., Calcutta.

[No. 20.H/Rly./68.69/GLS./59.]

S.O. 1646.—M/s. Heatly & Gresham Ltd., Calcutta were granted an import licence No. G/R/2087196/C/XX/32/H/28 dated 25th September 1969 for Rs. 280. They have applied for duplicate copies of the licence (both Customs & Exchange Control purposes) copies on the ground that the original licence (both copies) has been lost without having been registered with any Customs authority and utilised at all. In support of this contention the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that the original licence No. G/R/2087196/C/XX/32/H/28 dated 25th September 1969 has been lost and that duplicate copies of both Customs & Exchange Control purposes copies should be issued to the applicant.

2. In exercise of the powers conferred by clause 9(cc) of the Imports (control) Order No. 17/55 dated 7th December 1955, as amended from time to time, the undersigned cancels the licence No. G/R/2087196/C/XX/32/H/28 dated 25th September 1969 for Rs. 280 for the import of flexible shaft under 37.A/II of the ITC Schedule issued in favour of M/s. Heatly and Gresham Ltd., Calcutta.

[No. 6.H/Rly./69.70/GLS/60.]

New Delhi, the 28th April 1970

S.O. 1647.—M/s. Hindustan Teleprinters Ltd., Madras were granted an import licence No. G/DG/2105110/C/XX/23/C/H/20, dt. 23rd April, 1966 for Rs. 2,96,738. They have applied for a duplicate copy of the licence (Customs purposes copy) on the ground that the original Customs purposes copy of the licence has been lost. It is further stated that the original licence was registered with the Customs House at Madras and partly utilised. In support of this contention the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that the original customs copy of the licence No. G/DG/2105110/C/XX/23/C/H/20, dated 23rd April, 1966 has been lost and that a duplicate licence should be issued to the applicant.

In exercise of the powers conferred by clause 9(cc) of the import (Control) order No. 17/55, dated 7th December, 1955 as amended from time to time, the undersigned cancels customs purpose copy of the import licence No. G/DG/2105110/C/XX/23/C/H/20 dt. 23rd April, 1966 for Rs. 2,96,738/- for the import of Spares for teleprinters etc. under S. No. 46/II of the I.T.C. Schedule issued in favour of M/s Hindustan Teleprinters Ltd, Madras

[No. 72.H/Cont/65.66/GLS. 64]

G. D. BAHL,

Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

MINISTRY OF HEALTH, FAMILY PLANNING, WORKS, HOUSING AND URBAN DEVELOPMENT

(Department of Health)

New Delhi, the 27th February 1970

S.O. 1648.—Whereas Dr. Bal Raj Sondhi, 27 Sunder Nagar Market, New Delhi, has been elected with effect from the 30th December, 1969, from among the dentists registered in Part A of the Delhi register of dentists, as a member of the Dental Council of India under Clause (a) of section 3 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948).

And whereas in pursuance of the provisions of clause (e) of section 3 of the said Act, Dr. Harmel Singh, Director of Health Services, Punjab, Chandigarh, has been nominated by the Government of Punjab to be a member of the said Council with effect from the 7th August, 1969 vice Dr. K. Moti Singh resigned;

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the

Government of India in the late Ministry of Health No. F. 3-2/62-M/II, dated the 17th October, 1962, namely:—

In the said notification,

- (i) under the heading "Elected under clause (a) of section 3", for the entry against Serial No. 7, the following entry shall be substituted, namely:—

Dr. Bal Raj Sondhi, 27, Sunder Nagar Market, New Delhi."

- (ii) under the heading "Nominated under clause (e) of section 3", for the entry against Serial No. 10, the following entry shall be substituted, namely:—

"Dr. Harmel Singh, Director of Health Services, Punjab, Chandigarh.

[No. F. 3-9/69-MPT.]

R. MURTHI, Under Secy.

(Department of Health)

New Delhi, the 27th April 1970

S.O. 1649.—The following draft of certain rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, which the Central Government proposes to make, after consultation with the Drugs Technical Advisory Board, in exercise of the powers conferred by sections 12 and 33 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), is published, as required by the said sections for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 27th July, 1970.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government:—

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Drugs and Cosmetics (Amendment) Rules, 1969.

2. In the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, after rule 84, the following rule shall be inserted, namely:—

"84-A, Conditions for the manufacture for sale of Cyclamates and preparations containing Cyclamates.—(1) Subject to the other provisions of these rules the manufacture for sale of Cyclamates and preparations thereof shall be made subject to the following conditions,—

- (a) They shall conform to the standards laid down in the Pharmacopoeias referred to in the Second Schedule of the Act.
- (b) The label on the container and every other covering in which the container is packed shall—
 - (i) indicate the content of Cyclamates in the preparation in a conspicuous manner:

Provided that—

- (a) if the preparation is a tablet the content shall be given per tablet, and
- (b) if the preparation is liquid the content shall be given per millilitre.

Explanation.—Where the dosage is indicated in terms of drops, the approximate number of drops per millilitre may also be indicated.

- (ii) display in a conspicuous manner a statement to the effect that "This preparation contains Cyclamates. Should be taken under medical supervision."

(2) Cyclamates should not be used as a sweetening agent in the manufacture of any drug."

[No. 1-128/69-D.]

HAMIDULLAH KHAN, Under Secy.

(Department of Family Planning)*New Delhi, the 23rd April 1970*

S.O. 1650.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Department of Family Planning (Committee Officer) Recruitment Rules, 1966, namely:—

1. (i) These rules may be called the Department of Family Planning (Committee Officer) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.
2. In the schedule to the Department of Family Planning (Committee Officer) Recruitment Rules, 1966;
 - (i) in column 2, for the word "two", the word "One" shall be substituted,
 - (ii) in column 10, for the entry, the following shall be substituted, namely:—
"By transfer or deputation, failing which by direct recruitment".
 - (iii) in column 11 for the entries, the following shall be substituted namely:—
"Transfer or Deputation: Officers analogous posts under the Central Government Departments possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years)".

[No. 3/2(8)68-Estt.I.]

R. P. MARWAHA, Under Secy.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION**(Department of Agriculture)***New Delhi, the 22nd April 1970*

S.O. 1651.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Livestock Importation Act, 1898 (9 of 1898) and in partial modification of this Ministry S.O. 1212 dated the 25th February, 1970, the Central Government hereby extends the period permitting importation of caprine species of livestock (Goats) from Israel to India upto 31st July, 1970.

[No. 50-1/69-LH(LDT).]

SANTOKH SINGH, Under Secy.

(Department of Agriculture)*New Delhi, the 25th April 1970*

S.O. 1652.—In exercise of the powers conferred by section 42 of the Warehousing Corporations Act, 1962 (58 of 1962), the Central Warehousing Corporations, with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations further to amend the Central Warehousing Corporation (Staff) Regulations, 1966, namely:—

1. These regulations may be called the Central Warehousing Corporation (Staff) Amendment Regulations, 1970.
2. In the proviso to sub-regulation (1) of regulation 18 of the Central Warehousing Corporation (Staff) Regulations, 1966 (hereinafter referred to as the said regulations), in clause (c), after the words "the Chairman", the words "or in his absence, the Vice-Chairman" shall be inserted.

3. In regulation 27 of the said regulations,—

- (i) in sub-regulation (2), in clause (a), after the words “the Chairman”, the words “or in his absence, the Vice-Chairman” shall be added;
- (ii) in sub-regulation (3), after the word “Chairman”, the word, “ Vice-Chairman” shall be inserted.

[No. F.26-7/67-SG.II.]

M. SHAMS-UD-DIN, Under Secy.

खाद्य कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली, 25 अप्रैल 1970

क्रा० आ० 1652.—भाण्डागार निगम अधिनियम, 1962 (1962 का 58) की धारा 42 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय भाण्डागार निगम केन्द्रीय सरकार की पूर्ण मंजूरी से केन्द्रीय भाण्डागार निगम (कर्मचारिवृन्द) विनियम 1966 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:—

1. ये विनियम केन्द्रीय भाण्डागार निगम (कर्मचारिवृन्द) संशोधन विनियम 1970 कहे जा सकेंगे।

2. केन्द्रीय भाण्डागार निगम (कर्मचारिवृन्द) विनियम 1966 जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त विनियम कहा गया है के विनियम 18 के उपविनियम (1) के परन्तुक में खंड (ग) में “अध्यक्ष” शब्द के पश्चात् “या उसकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष” शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

3. उक्त विनियम के विनियम 27 में, —

(1) उपविनियम (2) में खंड (क) में “अध्यक्ष” शब्द के पश्चात् “या उसकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष” शब्द जोड़े जायेंगे ;

(2) उपविनियम (3) में “अध्यक्ष” शब्द के पश्चात् “उपाध्यक्ष” शब्द अन्तःस्थापित किया जाएगा।

[फाइल सं० 26-7/67-एस० जी० II]

मु० शमसुद्दीन, अवसर सचिव।

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 23rd April 1970

S.O. 1653.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) read with Rule 5(1) of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952, the Central Government hereby appoints, till the 22nd January, 1971, Sarva Shri Atul K. Bhagwati, President, Association of Merchants and Manufacturers of Textile Stores and Machinery, India; Bombay and V. K. Dikshit, Deputy Secretary, Ministry of Foreign Trade and Supply (Department of Foreign Trade), New Delhi, *vice* Sarva Shri J. C. Kulkarni and K. Srinivasan, to be Members of the Development Council, established by the Order of the Government of India in the erstwhile Ministry of

Industrial Development and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 415 dated the 23rd January, 1969 for the scheduled industries engaged in the manufacture or production of Textile Machinery, and directs that the following amendments shall be made in the said Order, namely:—

In the said Order, for the entries occurring against S. Nos. 5 and 17, the following entries shall be substituted, namely:—

5. Shri Atul K. Bhagwati, President, Association of Merchants and Manufacturers of Textile Stores and Machinery, India, Bombay.
17. Shri V. K. Dikshit, Deputy Secretary, Ministry of Foreign Trade & Supply (Department of Foreign Trade), New Delhi.

[No. 2-49/68-MEI]

R. SUBRAMANIAN, Under Secy.

औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समुदाय कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1970

एस० ओ० 1653 .—उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवम विकास परिषद् (कार्य विधि) नियम, 1952 के नियम 5(1) के साथ पढ़ते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा सर्व श्री अतुल के० भगवती, अध्यक्ष, वस्त्र भण्डार तथा मशीन व्यापारी तथा निर्माता संघ इण्डिया, बम्बई और वी० के० दीक्षित उप-सचिव, विदेश व्यापार तथा आपूर्ति मंत्रालय (विदेश व्यापार विभाग) नई दिल्ली को सर्व-श्री जे० सी० कुलकर्णी तथा के० श्रीनिवासन के स्थान पर 22 जनवरी, 1971 तक विकास परिषद् का, जिसकी स्थापना भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० एस० ओ० 415 दिनांक 23 जनवरी, 1964 के द्वारा वस्त्र मशीनों के निर्माण अथवा उत्पादनरत उद्योगों के लिए की गई थी, सदस्य नियुक्त करती है और निदेश देती है कि उपरिलिखित आदेश में निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा, अर्थात् उपरिलिखित आदेश में क्रम सं० 5 और 17 के सामने दी गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

5 श्री अतुल के० भगवती,

अध्यक्ष, वस्त्र भण्डार तथा मशीन व्यापारी तथा निर्माता संघ, इण्डिया, बम्बई।

17 श्री वी० के० दीक्षित, उप-सचिव,

विदेश व्यापार तथा आपूर्ति मंत्रालय, विदेश व्यापार विभाग, नई दिल्ली।

[सं० 2-49/68-एम०ई०आई०]

आर० सुब्रमनियम, अवसरसचिव

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 28th April 1970

S.O. 1654/IDRA/6/3/70.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) read with rules 5(i) and 8 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952, the Central Government hereby appoints till the 30th April, 1971, the Additional Secretary

(Sugar) to the Government of Tamil Nadu, Industries Department, Madras, in place of the Secretary to the Government of Tamil Nadu, Industries, Labour and Housing Department, Madras, to be a member of the Development Council established by the Order of the Government of India, in the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 1751/IDRA/6/3/69, dated the 1st May, 1969, for the Scheduled Industries engaged in the manufacture of production of sugar and directs that the following amendment shall be made in the said Order, namely:—

In the said Order, for entry No.16 relating to the Secretary to the Government of Tamil Nadu, Industries, Labour and Housing Department, Madras, the following entry shall be substituted, namely:—

"16. The Additional Secretary (Sugar) to the Government of Tamil Nadu, Industries Department, Madras (Ex-officio)".

[No.13(8)DC/68-L.C.]

ERRATA

New Delhi the 30th April, 1970

S.O. 1655.—In the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 4853/18A/IDRA/69, dated the 26th November, 1969, published at page 5294 of the Gazette of India, Part II Section 3(ii), dated the 6th December, 1969, the following amendment may be made:—

For the existing number "S.O. 2091/18A/IDRA/67" appearing in sixth line read "S.O. 3091/18A/IDRA/67".

[No. F. 9(1)/Lic.Pol./67.]

R. C. SETHI, Under Secy.

(Department of Industrial Development)

(Indian Standards Institution)

New Delhi, the 28th April 1970

S.O. 1656.—In pursuan of the provisions of sub-rule (2) of Rule 3 of the Indian Standard Institution (Certification Marks) Rules, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which are given in the following schedule, have been established during the quarter ending 31 March, 1970 :

THE SCHEDULE

Sl. No.	No. of Indian Standard	Title of Indian Standards
(1)	(2)	(3)
1	IS: 226-1969	Specification for structural steel (standard quality) (forth revision).
2	IS: 277-1969	Specification for galvanized steel sheets (plain and corrugated) (second revision).
3	IS: 278-1969	Specification for galvanized steel barbed wire for fencing (second revision).
4	IS: 356-1969	Specification for ester gum (first revision).
5	IS: 376-1969	Specification for sodium hydroxide, analytical reagent (first revision).
6	IS: 553-1969	Specification for rosin (gum rosin) (first revision).
7	IS: 644-969	Specification for dipentene for paints (first revision).
8	IS: 1151-1969	Specification for refined sugar (first revision).

(1)	(2)	(3)
9	IS: 1448 (P. 66)-1969	Flash point (open) and fire point by Pensky-martens apparatus.
10	IS: 1448 (P. 69)-1969	Flash and fire point by Cleveland (open) cup.
11	IS: 1466-1969	Specification for ferrovanadium (<i>first revision</i>).
12	IS: 1470-1969	Specification for siliconmanganese (<i>first revision</i>).
13	IS: 1478-1969	Specification for clay flooring tiles (<i>first revision</i>).
14	IS: 1512-1969	Tests and general requirements for IF transformers and RF coils (<i>first revision</i>).
15	IS: 1708-1969	Methods of testing small clear specimens of timber (<i>first revision</i>).
16	IS: 1767-1969	Specification for dicalcium phosphate for dentifrice (<i>first revision</i>).
17	IS: 1885 (Part VII/Sec. 4)-1969.	Electrotechnical vocabulary, Part VII semiconductor devices Section 4 thyristors.
18	IS: 1977-1969	Specification for structural steel (ordinary quality) (<i>first revision</i>).
19	IS: 2032 (Part X)-1969	Graphical symbols used in electrotechnology Part X measuring instruments.
20	IS: 2046-1969	Specification for decorative thermosetting synthetic resin bonded laminated sheets (<i>first revision</i>).
21	IS: 2062-1969	Specification for structural steel (fusion welding quality) (<i>first revision</i>).
22	IS: 2097-1969	Specification for foam-making branches.
23	IS: 2102-1969	Allowable deviations for dimensions without specified tolerances (<i>first revision</i>).
24	IS: 2614-1969	Methods for sampling of fasteners (<i>first revision</i>).
25	IS: 2769-1969	Sizes for squares and square holes for general engineering purposes (<i>first revision</i>).
26	IS: 2831-1969	Specification for carbon steel billets for re-rolling into structural steel (ordinary quality) (<i>first revision</i>).
27	IS: 3076-1968	Specification for low density polyethylene pipes for potable water supplies (<i>first revision</i>).
28	IS: 3290-1969	Specification for thread take up levers for cam type sewing machines for household purposes (<i>first revision</i>).
29	IS: 3299-1969	Specification for oscillating rock shafts for sewing machines for household purposes.
30	IS: 3308-1969	Specification for wood wool building slabs.
31	IS: 3400- (Part X)-1969	Methods of test for vulcanized rubbers, Part X compression set at constant strain.
32	IS: 3400 (Part XI)-1969	Methods of test for vulcanized rubbers, Part XI determination of rebound resilience.
33	IS: 3632-1969	Method of test for determination of wet volume of asbestos fibre.
34	IS: 3842 (Part V)-1968	Application guide for electrical relays for ac systems Part V distance protection relays.
35	IS: 3885 (Part II)-1969	Specification for steel for the manufacture of laminated springs (railway rolling stock) Part II rib and groove sections.
36	IS: 4667 (Part II)-1969	Methods of chemical analysis of silver-copper brazing alloys Part II determination of silver, copper and tin.
37	IS: 4804 (Part III)-1969	Specification for resistance welding equipment Part III single-phase spot and projection welding machines.
38	IS: 4832 (Part I)-1969	Specification for chemical resistant mortars part I silicate type.
39	IS: 4832 (Part II)-1969	Specification for chemical resistant mortars Part II resin type.
40	IS: 4984-1968	Specification for high density polyethylene pipes for potable water supplies.
41	IS: 4993-1969	Glossary of terms relating to modular co-ordination.
42	IS: 5089-1969	Specification for blade plate, blount type.
43	IS: 5093-1969	Dimensions for locating pins (round).
44	IS: 5094-1969	Dimensions for diamond locating pins.
45	IS: 5105-1969	Specification for twist drills, taper square shanks for ratchet braces.
46	IS: 5106-1969	Specification for twist drills, taper square shanks for carpenters' braces.

(1)	(2)	(3)
47	IS: 5107-1969	Recommendation on nominal pressures for oil-hydraulic system elements.
48	IS: 5116-1969	General requirements for domestic and commercial equipment for use with LPG.
49	IS: 5117-1969	Specification for commercial boiling burners for use with LPG.
50	IS: 5120-1968	Technical requirements for rotodynamic special purpose pumps.
51	IS: 5180-1969	Specification for needles, hypodermic, dental.
52	IS: 5182-(Part II)-1969	Method for measurement of air pollution, part II sulphur dioxide.
53	IS: 5206-1969	Specification for corrosion-resisting chromium and chromium-nickel steel covered electrodes for manual metal arc welding.
54	IS: 5226-1969	Specification for forceps, eye, cornea-scleral disc (elliot's patterns).
55	IS: 5227-1969	Specification for flasks, dental.
56	IS: 5230-1969	Code of practice for construction of continuous to and from movement bicable ropeways intended for the transportation of passengers.
57	IS: 5231-1969	Specification for forceps, eye, tarsal cyst (Greene's pattern).
58	IS: 5232-1969	Specification for forceps, eye, cilia.
59	IS: 5233-1969	Specification for forceps, eye, intra-capsular (Arruga's and Elschmig's patterns).
60	IS: 5234-1969	Specification for forceps, eye, capsule (Couper's pattern).
61	IS: 5235-1969	Specification for rain gauge, recording.
62	IS: 5245 (Part I)-1969	Methods for splicing of wire ropes, Part I hand splicing of wire ropes.
63	IS: 5247-1969	Specification for converted timber (coniferous) for packing cases, crates and light furniture.
64	IS: 5249-1969	Method of test for determination of <i>in situ</i> dynamic properties of soils.
65	IS: 5253-1969	Guidelines for cleaning and sterilizing dairy equipment.
66	IS: 5255-1969	Specification for portable poultry feeders.
67	IS: 5256-1968	Code of practice for sealing joints in concrete lining on canals.
68	IS: 5274-1969	Recommended practice for hot-dip tinning of plain carbon steel.
69	IS: 5277-1969	Specification for dichlorvos emulsifiable concentrates.
70	IS: 5279-1969	Specification for dicofol emulsifiable concentrates.
71	IS: 5280-1969	Specification for fenitrothion, technical.
72	IS: 5281-1969	Specification for fenitrothion emulsifiable concentrates.
73	IS: 5283-1969	Specification for poultry waterers, portable.
74	IS: 5284-1969	Recommendations for community milking shed.
75	IS: 5287-1969	Specification for country spirit.
76	IS: 5290-1969	Specification for landing valves (internal hydrant).
77	IS: 5291-1969	Specification for tables operation, hydraulic, major.
78	IS: 5296-1969	Specification for chloroform, technical and analytical.
79	IS: 5297-1969	Specification for perchloroethylene (tetrachloroethylene), technical.
80	IS: 5300-1969	Specification for porcelain guy strain insulators.
81	IS: 5301-1969	Specification for sodium chlorate.
82	IS: 5302-1969	Code of safety for acetic anhydride.
83	IS: 5303-1969	Specification for ziron flour for use in foundries.
84	IS: 5304-1969	Specification for nylon fabric for sea-mine parachutes.
85	IS: 5305-1969	Method for volumetric determination of phosphorus.
86	IS: 5306-1969	Specification for sodium carboxymethyl cellulose, food grade.
87	IS: 5307-1969	Glossary of mining terms (boring and exploration).
88	IS: 5308-1969	Specification for slotted countersunk head and slotted raised countersunk head screws, small head series (dia 1.6 to 6mm)
89	IS: 5309 Part I-1969	Specification for brooders, part I battery brooders.
90	IS: 5310-1969	Specification for electrically-heated poultry incubators.
91	IS: 5312 (Part I)-1969	Specification for swing check type reflux (non-return) valves part I single door pattern.

(1)	(2)	(3)
92	IS:5314-1969	Specification for graduated drinking vessels for lifeboats and life-rafts—sea-going ships.
93	IS:5315-1969	Methods of sampling for milled cereals and pulses products.
94	IS:5316-1969	Specification for ammonium carbonate.
95	IS:5317-1969	Specification for bitumen mastic for bridge decking and roads.
96	IS:5319-1969	Specification for commercial steel wool.
97	IS:5320-1969	Specification for fine silver ingot.
98	IS:5322-1969	Specification for polythylene wash-bowls.
99	IS:5324-1969	Dimensions for hand-operated stillage truck [lifting (hand-elevating) truck].
100	IS:5325-1969	Test procedure for box pallets and post pallets.
101	IS:5326-1969	Specification for cork life-buoys.
102	IS:5327-1969	Specification for rigid bailers for lifeboats.
103	IS:5331-1969	Guide for selection of type of linings for canals.
104	IS:5334-1969	Code of practice for magnetic particle flaw detection of welds.
105	IS:5335-1969	Specification for tables, bedside.
106	IS:5336-1969	Specification for back rest.
107	IS:5339-1969	Specification for skin powder for infants.
108	IS:5342-1969	Specification for ascorbic acid, food grade.
109	IS:5343-1969	Specification for butylated hydroxyanisole, food grade.
110	IS:5344-1969	Specification for butylated hydroxytoluene, food grade.
111	IS:5345-1969	Specification for sodium saccharin, food grade.
112	IS:5346-1969	Specification for coal tar food colour preparations.
113	IS:5348-1969	Specification for staples.
114	IS:5349-1969	Specification for staplers.
115	IS:5351-1969	Specification for woven polyester tape for electrical purposes.
116	IS:5352-1969	Specification for glass-fibre woven tape for electrical purposes.
117	IS:5353-1969	Specification for screen luminance for the projection of 35mm film on matt and directional screens.
118	IS:5354-1969	Specification for cotton stripping tape for electrical purposes.
119	IS:5355-1969	Specification for oxygen flowmeter (dry bobbin type) for therapy purposes.
120	IS:5358-1969	Specification for hot-dip galvanised coating on fasteners.
121	IS:5359-1969	Specification for sine bars.
122	IS:5360-1969	Dimensions for driving tenons.
123	IS:5370-1969	Specification for plain washers with outside diameter 3 × inside diameter.
124	IS:5373-1969	Specification for square washers for wood fastenings.
125	IS:5375-1969	Data for procurement of cylindrical gear.
126	IS:5376-1969	Specification for dioptric lenses for navigational lanterns.
127	IS:5378-1969	Specification for polythylene cane.
128	IS:5379-1969	Specification for ammonium thiosulphate, photographic grade.
129	IS:5380-1969	Specification for sodium bromide, photographic grade.
130	IS:5381-1969	Quantity packaging of sensitized photographic materials.
131	IS:5383-1969	Specification for tooth powder.
132	IS:5384-1969	Specification for aluminium I-beams.
133	IS:5387-1969	Dimensions for stillages.
134	IS:5391-1969	Specification for adjustable metal chairs for use of typists and operators in telephone exchanges.
135	IS:5403-1969	Method for yeast and mould count of foodstuffs.
136	IS:5410-1969	Specification for cement paint, colour as required.
137	IS:5411 (Part I)-1969	Specification for plastic emulsion paint part I for the interior use.
138	IS:5414-1969	Specification for gland packing, jute and hemp.
139	IS:5417-1969	Specification for pencil tray (wooden) for use in offices.
140	IS:5418-1969	Specification for wooden folding drawing tables.
141	IS:5419-1969	Specification for wooden scribing table.
142	IS:5421-1969	Glossary of terms relating to test sieves and test sieving.
143	IS:5423-1969	General requirements for hydraulic shock absorbers for automobile suspension, direct acting telescopic type.
144	IS:5424-1969	Specification for rubber mats for electrical purposes.
145	IS:5426-1969	Specification for travelling bees-box.
146	IS:5427-1969	Specification for honey extractor, radial type.

(1)	(2)	(3)
147 IS:5434-1969	.	Specification for non-ferrous alloy bottle traps for marine use.
148 IS:5442-1969	.	Classification of haematite iron ore
149 IS:5449-1969	.	Methods for determination of water soluble chromate in textile material.
150 IS:5451-1969	.	Glossary of terms relating to coal carbonization products.
151 IS:5455-1969	.	Specification for case iron steps for manholes.
152 IS:5457-1969	.	Specification for sizes of folders and files.
153 IS:5472-1969	.	Specification for dicalcium phosphate, animal feed grade.
154 IS:5478-1969	.	Specification for thermostat metal sheet and strip.
155 IS:5514-1969	.	Specification for apparatus used in 'Le-chatelier' test.
156 IS:5515-1969	.	Specification for compaction factor apparatus.
157 IS:5523-1969	.	Methods of testing anodic coatings on aluminium.

(No. CMD/13:3)

A. K. GUPTA,
Deputy Director General

DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS

(P. and T. Board)

New Delhi, the 27th April 1970

S.O. 1657.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director-General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16th May, 1970 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in RAIGARH Telephone Exchange, M.P. Circle.

[No. 5-41/70-PHB(2).]

D. R. BAHL,
Assistant Director General (PHB).

संचार विभाग

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1970

स्थायी आदेश क्रम संख्या 1657 स्थायी आदेश क्रम संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गए 1951 के भारतीय तार नियमों के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने रायगढ़ टेलीफोन केन्द्र में 16-5-70 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं० 5-41/70 पी० एच० बी० (2)]

डी० आर० बहल,

सहायक महानिदेशक (पी० एच० बी०)

MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES

New Delhi, the 23rd April 1970

In the matter of Charitable Endowments Act, 1890

S.O. 1658.—In exercise of the powers conferred by section 10 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), the Central Government hereby directs the

Treasurer of Charitable Endowments for India to remit to the Indian Institute of Science, Bangalore, the uninvested balance of Rs. 29/50 (rupees twenty-nine and paise fifty only) out of the sale proceeds of 3 per cent Loan 1970—73 for Rs. 2,01,900 (rupees two lakhs and one thousand and nine hundred only) (Depreciation Fund Investment).

[No. F.8-16/68-T.P6.]

M. N. BALIGA,

Assistant Educational Adviser (T)-

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय

दिल्ली, 23 अप्रैल 1970

पूर्त धर्मस्व अधिनियम, 1890 के मामले में

एस० आ० 1658.—पूर्त धर्मस्व अधिनियम, 1890 (1890 का छठा) की धारा 10 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत के पूर्त धर्मस्व अधिनियम के खजांची को निर्देश देते हैं कि वे 1970-75 के ऋण पर बिक्री से प्राप्त आय का 3 प्रतिशत 2, 01, 900 रुपये (दो लाख एक हजार और नौ सौ रुपये केवल) (मूल्यह्रास विनिधान निधि) में से 29* 50 रुपये (उत्तरीस रुपये पचास पैसे केवल) का खर्चन किया गया अतिशेष भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर को वापस कर दें।

[सं० एफ० 8-16/68-टी-6]

एम० एन० बालीगा,

सहायक शिक्षा सलाहकार (तकनीकी)।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 28th April 1970

S.O. 1659.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government hereby makes the following further amendment to the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S.O. 1104, dated the 29th March, 1965, namely:—

In the said Notification in paragraph 4, for the figures, letters and word "31st March, 1970" the figures, letters and word "30th June, 1970" shall be and shall be deemed always to have been substituted.

[No. 1/3/65-Delhi]

By Order, and in the Name of the President of India.

R. C. GUPTA, Under Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 अप्रैल 1970

का० आ० 1659—जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना

मेंख्या का० आ० 1104 तारीख 29, मार्च, 1965 में और आगे निम्नलिखित संशोधन एतद्वारा करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना के पैरा 4 में “31 मार्च 1970” श्रंको और शब्द के स्थान पर “30 जून 1970” श्रंक और शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे और सदैव से प्रतिस्थापित किए गए समझे जाएंगे।

[सं० 1/3/65-विल्ली]

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम में,

आर० सी० गुप्ता, अवर सचिव।

CORRIGENDA

New Delhi, the 26th April 1970

S.O. 1660.—In the Order of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S.O. 2933, dated the 16th July, 1969, published at Pages 909 to 928 of the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 18th July 1969:—

- (1) On page 910,—
 - (i) in line 8, for “of” read “a” after “means”;
 - (ii) in line 28, for “:” read “,” after “situated”;
 - (iii) in line 30, for “:” read “,” after “1961”;
- (2) On page 912,—
 - in line 10, after “order” insert “,”;
- (3) On page 913 (wrongly printed as “613”), line 1, for “THE FIT SCHEDULE” read “THE FIRST SCHEDULE”;
- (4) On page 915,—
 - in column (2)—
 - (i) for “5.Badwal” read “5. Badowal”;
 - (ii) for “11.Frasin Kalan” read “11. Frain Kalan”;
 - (iii) for “13.Harnamsinghwala” read “13. Harnamsinghwala”;
 - (iv) for “20. Kharawal” read “20. Khararwal”;
 - (v) for “24.Lochhap” read “24. Lochap”;
- (5) on page 916,—
 - (i) in column (1), for “K a ar” read “Kharar”;
 - (ii) in column (2), for “9.Chundi Chhoti” read “9. Chunni Chhoti”;
- (6) On page 917,—
 - in column (2)—
 - (i) for “26.Jndpur” read “26. Jandpur”;
 - (ii) for “48.Chhapa chiri Badi” read “48. Chhaparchiri Badi”;
- (7) On page 918,—
 - in column (2)—
 - (i) in line 1, for “Naram” read “Nazam”;
 - (ii) for “86. Lakhnapur” read “86. Lakhnaur”;
- (8) on page 919,—
 - in column (2), for “8.Jharwarheri” read “8. Jhanwarheri”;

- (9) On page 921,—
in column (2), for "22 Nalla" read "22. Malla";
- (10) On page 922,—
in column (2)—
(i) for "1.Mani Majr" read "1. Mani Majra";
(ii) for "2.Hallow Ma a" read "2. Hallow Majra";
(iii) for "3.Kanthhla jr" read "3. Kanthhla";
(iv) for "4."ajwara" read "4. Bajwara";
- (11) On page 923,—
in column (1), add "5." before "Una Panchayat Samiti".
- (12) On page 925,—
(i) in line 1, for "C-Gram Sabha" read "C-Gram Sabhas";
(ii) in the heading for column (2), line 5, for "15" read "(5)";
(iii) in column (2) in line 2, for "1. Tatanpur" read "1. Tatarpur";
- (13) On page 926,—
in column (3), for "Kafrauran" read "Karauran";
- (14) On page 928,—
in line 30, for "after words" read "after the words";

[No. F. 17/37/67-SR.]

K. R. PRABHU, Jt. Secy.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1970

का० आ० 166:—, भारत सरकार गृह मंत्रालय के दिनांक 16 जुलाई, 1969 के आदेश का० आ० 2934 (सं० फ० 17/37/67-एस० आर०) में जो भारत के राजपत्र असाधारण सारीख 18 जुलाई, 1969 भाग 2 खंड 3 उपखंड (ii) में पृष्ठ संख्या 929 से 959 तक प्रकाशित हुआ, एतद्वारा निम्नलिखित शुद्धियां की जाती हैं:—

1. पृष्ठ संख्या 929 पर,
(i) प्रारम्भिक पैरा की नवीं पंक्ति में "ह" के स्थान पर "हे" और "भजी गई" के स्थान पर "भेजी गई" पढ़ें ;
(ii) पैरा 2 के आरम्भ में "परिभाषाए" के स्थान पर "परिभाषाएं" पढ़ें ;
(iii) पैरा 2 (ग) की तीसरी पंक्ति में "परिषद्" के स्थान पर "परिषद्" पढ़ें ।
2. पृष्ठ संख्या 930 पर,
(i) प्रथम पंक्ति के अन्त में "अभिप्रेत" के स्थान पर "अभिप्रेत" पढ़ें ;
(ii) पैरा 2 (झ) के आरम्भ में "उत्तरवर्ती पांचायत" के स्थान पर "उत्तरवर्ती पांचायत" पढ़ें ;
(iii) पैरा 2 (झ) (2) की प्रथम पंक्ति में "अनुसूची" के स्थान पर "अनुसूची" पढ़ें ;
(iv) पैरा 2 (ट) की प्रथम पंक्ति में "परिषद्" के स्थान पर "परिषद्" पढ़ें ;
(v) पैरा 2 (ठ) की प्रथम पंक्ति में "कितु" के स्थान पर "किन्तु" पढ़ें ;

- (vi) पैरा 2 (ठ) के बाद शुरू होने वाले पैरा के आरम्भ में "3" पढ़ें तथा इसकी प्रथम पंक्ति में "दई" के स्थान पर "नई" पढ़ें ;
- (vii) पैरा 3 (2) की तीसरी पंक्ति में ('संगठित' के स्थान पर "गठित" पढ़ें ;
- (viii) पैरा 3 (3) के परन्तुक की तीसरी पंक्ति में "क्षेत्र" के स्थान पर "क्षेत्र" और चौथी पंक्ति में "जाएंगे" के स्थान पर "जाएंगे" पढ़ें ; और
- (ix) पैरा 3 (3) की अन्तिम पंक्ति में "मे" के स्थान पर "में" और "है" के स्थान पर "हूँ" पढ़ें ।
3. पृष्ठ संख्या 931 पर,
- (i) पैरा 4 की तीसरी पंक्ति में "बठक" के स्थान पर "बैठक" चौथी पंक्ति के आरम्भ में "ल" के स्थान पर "ले" और अन्तिम "या" के बाद "," तथा छठी पंक्ति में "जाए" के स्थान पर "जाएँ" पढ़ें ;
- (ii) पैरा 5 (1) की चौथी पंक्ति में "एसी" के स्थान पर "ऐसी" और "प्रभावित" के स्थान पर "प्रभावित" तथा अन्तिम पंक्ति में "जाएंगे" के स्थान पर "जाएंगे" पढ़ें ;
- (iii) पैरा 5 (2) (ख) के पश्चात् वाले स्पष्टीकरण की प्रथम पंक्ति में "म" के स्थान पर "मे" पढ़ें ; और
- (iv) पैरा 5 (3) की दूसरी और तीसरी पंक्तियों के आरम्भ में "एसी" के स्थान पर "ऐसी" पढ़ें ।
4. पृष्ठ संख्या 932 पर ,
- (i) पैरा 8 की अन्तिम पंक्ति के आरम्भ में "एसी" के स्थान पर "ऐसी" पढ़ें ;
- (ii) पैरा 10 की प्रथम पंक्ति में अन्तिम शब्द से पहले आए "के" के स्थान पर "का" तथा द्वितीय पंक्ति में "एसी" के स्थान पर "ऐसी" पढ़ें ;
- (iii) पैरा 12 की चौथी पंक्ति में "म" के स्थान पर "में" पढ़ें ; और
- (iv) पैरा 13 (1) की तीसरी पंक्ति में "प्ररूप" के पश्चात् "," "और" "सूसंगत अधिनियम" के स्थान पर "सुसंगत अधिनियम" पढ़ें ।
5. पृष्ठ संख्या 933 पर ,
- (i) पैरा 14 की द्वितीय पंक्ति में "पजाब" के स्थान पर "पंजाब" पढ़ें ;
- (ii) पैरा 1 की द्वितीय पंक्ति में "अर्थात्" के स्थान पर 'अर्थात्' पढ़ें ;
- (iii) पैरा 1 की चौथी पंक्ति के आरम्भ में "भूतपूर्व" के स्थान पर "भूतपूर्व" पढ़ें ;
- (iv) पैरा 2(i) की चौथी पंक्ति में 'म' के स्थान पर "में" और अन्तिम पंक्ति "राज्यक्षेत्र" के स्थान पर "राज्यक्षेत्र" पढ़ें ; और
- (v) पैरा 3 की तीसरी पंक्ति में "जाएंग" के स्थान पर "जाएंगे" पढ़ें ।
6. पृष्ठ संख्या 934 पर ,
- (i) पैरा 4 की द्वितीय पंक्ति में "के" के स्थान पर "की" पढ़ें ; और
- (ii) पैरा 6 की तीसरी पंक्ति में "ससंद" के स्थान पर "संसद" पढ़ें ।

7. पृष्ठ संख्या 935 पर अनुसूची के स्तंभ (2) के नीचे तीसरी पंक्ति में "धारा 2(3)" के स्थान पर "धारा 3(3)" तथा पांचवीं और दसवीं पंक्तियों के अन्त में अर्द्ध विराम के स्थान पर पूर्ण विराम पढ़ें।
8. पृष्ठ संख्या 935 से अगले पृष्ठ पर पृष्ठ संख्या "36" के स्थान पर "936" पढ़ें।
9. पृष्ठ संख्या 936 पर,
 - (i) स्तंभ (2) की चौथी, दसवीं, चौदहवीं, और बीसवीं पंक्तियों के अन्त में अर्द्ध विराम के स्थान पर पूर्ण विराम, पांचवीं पंक्ति में "क्षेत्र" के पश्चात्, तथा अन्तिम पंक्ति में "ह" के स्थान पर "है" पढ़ें;
 - (ii) स्तंभ (3) की पहली और दूसरी पंक्तियों में "परिषद्" के स्थान पर "परिषद्" पढ़ें और
 - (iii) स्तंभ (3), (4) और (5) के नीचे अन्तिम क्रमशः "संगरूर जिला परिषद्", "पंजाब सरकार तथा "—" को स्तंभ (2) के अन्तिम पैरा के सामने पढ़ें।
10. पृष्ठ संख्या 937 पर,
 - (i) स्तंभ (2) में क्रमसंख्या 11 पर "फायनक्ला" के स्थान पर "फायनक्ला" पढ़ें;
 - (ii) स्तंभ (4) के शीर्षक की दूसरी पंक्ति में "पंचायत" के स्थान पर "पंचायत" और तीसरी पंक्ति में अर्द्ध विराम के स्थान पर पूर्ण विराम पढ़ें तथा इसी स्तंभ में "हरियाणा" के स्थान पर "हरियाणा" पढ़ें; और
 - (iii) स्तंभ (5) के शीर्षक के अन्त में अर्द्ध विराम के स्थान पर पूर्ण विराम पढ़ें।
11. पृष्ठ संख्या 938 पर स्तंभ (2) में क्रमसंख्या 14 के सामने "क्लवा" के स्थान पर "क्लवा", क्रमसंख्या 18 के सामने "क्लोडा क्ला" के स्थान पर "क्लोडा क्ला", क्रम संख्या 19 के सामने "क्लोडा खुर्क" के स्थान पर "क्लोडा खुर्क" और क्रमसंख्या 28 के सामने "फुल्लियां क्ला" के स्थान पर फुल्लियां क्ला" पढ़ें।
12. पृष्ठ संख्या 939 पर,
 - (i) स्तंभ (2) में क्रम संख्या 3 के सामने "खुला" के स्थान पर "भुला" तथा क्रमसंख्या 14 के सामने "बाहमनी वाला" के स्थान पर "बाहमनी वाला" पढ़ें, और
 - (ii) स्तंभ (5) में पहली पंक्ति में "पंचायत" के स्थान पर "पंचायत" और द्वितीय पंक्ति के अन्तिम पूर्ण विराम को हटा दें।
13. पृष्ठ संख्या 940 पर, स्तंभ (2) में क्रम संख्या 12 के सामने "बादली" के स्थान पर "बादली" और क्रमसंख्या 27 के सामने "बल्ला माजरा" के स्थान पर "बल्लो माजरा" पढ़ें।
14. पृष्ठ संख्या 942 पर, स्तंभ (2) में क्रम संख्या 53 के सामने "सांभकी" के स्थान पर "सांभलकी" पढ़ें।
15. पृष्ठ संख्या 943 पर,
 - (i) स्तंभ (2) में क्रमसंख्या 81 के सामने "बैरमाजरा" के स्थान पर "बैरमाजरा" तथा "सघ" के स्थान पर "सघ" पढ़ें। इसी स्तंभ में क्रम संख्या 8 के सामने

“सांवरहेड़ी” के स्थान पर “सांवरहेड़ी” तथा क्रम संख्या 10 के सामने “बैर माजरा” के स्थान पर “बैर माजरा” पढ़ें; और

(ii) स्तंभ (3) की दूसरी पंक्ति में “संघ” के स्थान पर “संघ” पढ़ें।

16. पृष्ठ संख्या 944 पर, स्तंभ (2) में क्रमसंख्या 9 के सामने “मुल्लापुर सोबिया” के स्थान पर “मुल्लापुर सोढ़िया” और क्रमसंख्या 12 के सामने “अमिपुर” के स्थान पर “अभिपुर” पढ़ें।

17. पृष्ठ संख्या 945 पर, क्रमसंख्या 47 के सामने “ढकोर बड़ा” के स्थान पर “ढकोरा बड़ा” पढ़ें।

18. पृष्ठ संख्या 947 पर,

(i) स्तंभ (2) में क्रमसंख्या 78 के सामने “नन्हेरी” के स्थान पर “नन्हेरी” तथा क्रमसंख्या 2 पर चौथी पंक्ति “ह” के पश्चात् अल्पविराम पढ़ें; और

(ii) स्तंभ (4) में दूसरी पंक्ति में “हरियाणा” के स्थान पर “हरियाणा” पढ़ें।

19. पृष्ठ 948 पर, क्रमसंख्या 14 के सामने “धमाला” के स्थान पर “धमाला” पढ़ें।

20. पृष्ठ संख्या 949 पर स्तंभ (2) में क्रम संख्या 1 के सामने “मकरपुर” के स्थान पर “मकरपुर”, क्रम संख्या 2 के सामने “खेड़ी तरवेदी कैम्प” के स्थान पर “खेड़ी तरवेदी कैम्प” तथा क्रमसंख्या 10 की दूसरी पंक्ति में “राज्यक्षेत्र” के स्थान पर “राज्यक्षेत्र” पढ़ें।

21 पृष्ठ संख्या 950 पर स्तंभ (2) में क्रमसंख्या 15 की प्रथम पंक्ति में “कैवाला” के स्थान पर “कैवाला” तथा क्रम संख्या 7 के सामने “धानस” के स्थान पर “धानस” पढ़ें।

22. पृष्ठ संख्या 955 पर, स्तंभ (2) के शीर्षक की दूसरी पंक्ति में “प्रभाग” के पश्चात् अल्पविराम पढ़ें।

23. पृष्ठ संख्या 956 पर,

(i) स्तंभ (2) में नीचे से चौथी पंक्ति में “अन्तरिक” के स्थान पर “अन्तरित” पढ़ें, और

(ii) स्तंभ (5) की प्रथम पंक्ति में “हालो” के बाद दो अस्पष्ट शब्दों को “माजरा ग्राम” पढ़ें।

24. पृष्ठ संख्या 958 पर,

(i) तीसरी पंक्ति में “अधिनियम” के पश्चात् अल्पविराम पढ़ें;

(ii) पैरा 2 की तीसरी पंक्ति के अन्त में अल्पविराम पढ़ें;

(iii) पैरा 4 की पांचवीं पंक्ति में “सभा-क्षेत्र” के स्थान पर “सभा-क्षेत्र” पढ़ें; और

(iv) पैरा 5 की प्रथम पंक्ति में “क” के स्थान पर “के” और “म” के स्थान पर “में” तथा दूसरी पंक्ति में “अधिनियम” के पश्चात् अल्पविराम और “या तत्समय” से पूर्व—“” पढ़ें।

25. पृष्ठ संख्या 959 पर,

(i) पैरा 6 (1) की प्रथम पंक्ति में “लघु” के स्थान पर “लघु” तथा दूसरी पंक्ति के आरम्भ के “अधिनियम” और “पश्चात्” के बाद अल्पविराम पढ़ें;

- (ii) पैरा 6 (ii) के अन्त में “जाएंगे” के स्थान पर “जाएंगे” पढ़ें ;
 (iii) पैरा 9 की तीसरी पंक्ति के आरम्भ में “शब्द” के बाद “ ” को हटा दें और “या” से पूर्व “ ” पढ़ें ; और
 (4) पैरा 12 की पहली पंक्ति में “अधिवृत्ति” के स्थान पर “अभिवृत्ति” तथा दूसरी पंक्ति के अन्त में पूर्ण विराम पढ़ें ।

[सं० एफ० 17/37/67-एस० आर०]

नई दिल्ली 6 दिसम्बर, 1969

फा० आ० 4912.—यतः पंजाब पुनर्संगठन अधिनियम, 1966 (1966 का 31) की उपधारा (3) के साथ पठित उसकी धारा 72 की उपधारा (1) के अधीन, पंजाब विश्वविद्यालय अधिनियम, 1947 (1947 का पूर्वी पंजाब अधिनियम 7) के अधीन स्थापित पंजाब विश्वविद्यालय के कृत्य और प्रवर्तन को, ऐसे निदेशों के अध्यधीन जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किये जाएं, नवम्बर, 1966 के प्रथम दिन को और से, उन क्षेत्रों में जिनकी बाबत वह उस दिन से ठीक पूर्व कृत्य करता था और प्रवर्तित था, तब तक चालू रखा गया है जब तक उक्त विश्वविद्यालय की बाबत विधि द्वारा कोई अन्य व्यवस्था न कर दी जाए ;

और यतः उक्त धारा 72 की उपधारा (2) के अधीन, किसी ऐसे निदेश में वह निदेश भी सम्मिलित हो सकेगा जिसके कोई विधि जिसके द्वारा उक्त विश्वविद्यालय शासित होता हो, ऐसे आशयों और उपान्तरणों के अध्यधीन जो निदेश में विनिर्दिष्ट किये जाएं, उस विश्वविद्यालय को उसके लागू होने में प्रभावित होगी ;

और यतः उन क्षेत्रों में जिनमें, नवम्बर, 1966 के प्रथम दिन से ठीक पूर्व वह विश्वविद्यालय प्रवर्तित था, माध्यमिक शिक्षा के नियंत्रण के लिए अन्य इन्तजाम कर दिये गये हैं, और उक्त विश्वविद्यालय से अब और आगे मैट्रिकुलेशन और उच्चतर माध्यमिक परीक्षाओं को आयोजित करना अपेक्षित नहीं है ;

अतः, अब, उक्त धारा 72 की उपधारा (2) और (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि पंजाब विश्वविद्यालय अधिनियम, 1947 (1947 का पूर्वी पंजाब अधिनियम 7), इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से निम्नलिखित अतिरिक्त उपान्तरणों के अध्यधीन प्रभावी होगा, अर्थात् :—

(1) धारा 13 में—

(I) उपधारा (1) में—

- (क) खंड (छ) सुप्त कर दिया जायगा ;
 (ख) खंड (ज) के नीचे स्पष्टीकरण में, “खंड (च) या खंड (छ)” शब्दों, ‘कोष्ठकों’ और अक्षरों के स्थान पर “या खंड (च)” शब्द, कोष्ठक और अक्षर प्रतिस्थापित किये जाएंगे ;

(II) उपधारा (6) के स्थान पर निम्नलिखित उपधारा प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

- “(6) किसी निर्वाचन के मामले में यदि कोई विवाद उठे कि कोई व्यक्ति उपधारा (1) के खंड (ख), (ग), (घ), (ङ) और (च) के अर्थान्तर्गत प्रधानाचार्य

प्राचार्य, उपाचार्य, ज्येष्ठ प्राध्यापक, प्राध्यापक अथवा किसी महाविद्यालय का प्रधान हैं या नहीं, तो इस प्रश्न का अवधारण कुलपति द्वारा किया जाएगा जिसका विनिश्चय अन्तिम होगा”;

(2) धारा 25 में,—“(छ)”, कोष्ठक और अक्षर लुप्त कर दिया जाएगा;

(3) धारा 25 में मैट्रिकुलेशन के लिए और शब्द लुप्त कर दिये जाएंगे;

(4) धारा 31 की उपधारा (2) में :—

(I) खंड (इ) में, “मैट्रिकुलेशन की परीक्षा से भिन्न” शब्दों को लुप्त कर दिया जाएगा;

(II) खंड (ण) लुप्त कर दिया जाएगा ।

[संख्या 17/119/66-एस०आर०]

के० आर० प्रभु, संयुक्त सचिव ।

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 24th April 1970

S.O. 1662:—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2502 dated the 17th June, 1969 the Central Government, having regard to the location of the Central Workshop, Laundry and Prosthetic and Orthotic Workshop belonging to All India Institute of Medical Sciences, Anasari Nagar, New Delhi in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said workshop from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 10th March, 1970 upto and inclusive of the 9th March, 1971.

[No. F. 601(6)/70-HI.]

New Delhi, the 29th April, 1970

S.O. 1663 .—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government, having regard to the location of the factories specified in column (4) of the Schedule hereto annexed in areas specified in column (3) of the said Schedule in the State of Bihar in which the provisions of Chapters IV and V of the Act are in force, hereby exempts the said factories from the payment of employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a period of one year from the date of publication of this Notification in the Official Gazette or until the enforcement of provisions of Chapter V of the said Act in those areas, whichever is earlier.

SCHEDULE

S. No.	Name of District	Name of Area	Name of the factory
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Bhagalpur	Sultanganj	M/s. Hanuman Oil Mills.
2.	Muzaffarpur	Dighra	(1) M/s. Muzaffarpur Rolling Mills, R.K. Ashram.
			(2) M/s. Ratan Aluminium Works Industries, R.K. Ashram.

(1)	(2)	(3)	(4)
3	Santhal Pargana	Bandarjori	M/s. Saw Mills cum Depot Forest Department.
4	Singhbhum	Chandil	M/s. Ratan Lal & Co., Shellac Factory.

[No. F. 6/26/68-HI.]

New Delhi, the 30th April 1970

S.O. 1664.—In exercise of the powers conferred by section 73F of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3101 dated the 22nd July, 1969, the Central Government, having regard to the location of the Government Press, Patiala, in an area in which the provisions of Chapters IV and V of the said Act are in force, hereby exempts the said Press from the payment of the employer's special contribution leviable under Chapter VA of the said Act for a further period of one year with effect from the 11th March, 1970 upto and inclusive of the 10th March, 1971.

[No. F. 601(8)/70-H.I.]

S.O. 1665.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3C of the Coal Mines Provident Fund and Bonus Schemes Act, 1948 (46 of 1948) and in supersession of this Department's notification No. S.O. 1568 dated the 29th May, 1966, the Central Government hereby appoints Shri P. D. Gaiha, a permanent officer of Grade-I and officiating in the Selection Grade of the Central Secretariat Service as Coal Mines Provident Fund Commissioner *vice* Shri P. Chandra, with effect from the date Shri Gaiha takes over charge of the post of Coal Mines Provident Fund Commissioner until further orders.

[No. 6/12/69-PF-I]

CORRIGENDUM*New Delhi, the 25th April 1970*

S.O. 1666.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 4832, dated the 26th November, 1969, published in the Gazette of India, Part II, sub-section (ii), dated the 6th December, 1969 at page 5259, in line 2 from the bottom for "the 25th August, 1969" read "the 28th August, 1969".

[No. F. 6(62)/69-HI.]

DALJIT SINGH, Under Secy.

(Department of Labour and Employment)*New Delhi, the 25th April 1970*

S.O. 1667.—In pursuance of the proviso to regulation 17 of the Metalliferous Mines Regulations, 1961, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Employment No. S.O. 2795 dated the 23rd September, 1963, namely:—

In the Table appended to the said notification under the heading "INDIA", in the entries under the sub-heading "(List of Institutions and authorities awarding Degree or Diploma in Mining, after a full time course of Study)" after item 13,

and the entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted, namely:—

I	II
"14 Board of Technical Examinations, Maharashtra, Bombay.	Diploma in Mining and Mine Surveying.

[No. 17/2/70-MI(i).]

S.O. 1668.—In pursuance of clause (a) of the proviso to sub-regulation (1), and clause (a) of the proviso to sub-regulation (2), of regulation 18 of the Metalliferous Mines Regulations, 1961, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, Department of Labour and Employment No. S.O. 1678 dated the 30th May, 1966, namely:—

In the Table appended to the said notification, after item No. 10 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted, namely:—

I	II
"11 Board of Technical Examinations, Maharashtra, Bombay.	Diploma in Mining and Mine Surveying."

[No. 17/2/70-MI(ii).]

S.O. 1669.—In pursuance of the proviso to regulation 17 of the Coal Mines Regulations, 1957, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. S.O. 1599, dated the 28th June, 1961, namely:—

In the Table appended to the said notification, under the heading "INDIA", in the entries under the sub-heading "(List of Institutions and authorities awarding Degree or Diploma in Mining after a full time course of study)", after item 12 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted, namely:—

I	II
"13. Board of Technical Examinations, Maharashtra, Bombay.	Diploma in Mining and Mine Surveying."

[No. 17/2/70-MI(iii).]

S.O. 1670.—In pursuance of clause (a) of notification No. S.O. 2361 dated the 23rd July, 1962 of the Government of India, in the late Ministry of Labour and Employment, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. S.O. 1120 dated the 11th April, 1963, namely:—

In the Table appended to the said notification, after item No. 9 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted, namely:—

I	II
"10. Diploma in Mining and Mine Surveying.	Board of Technical Examinations, Maharashtra, Bombay."

[No. 17/2/70-MI(iv).]

S.O. 1671.—In pursuance of the proviso to regulation 17 of the Metalliferous Mines Regulations, 1961, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. S.O. 2795 dated the 23rd September, 1963, namely:—

In the Table appended to the said notification, under the heading "FOREIGN" after serial No. 13 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely:—

I

II

"14. Missouri School of Mines and Metallurgy, Bachelor of Science Degree in Mining University of Missouri, Rolla, U.S.A. Engineering."

[No. 17/2/70-MI(v).]

S.O. 1672.—In pursuance of the proviso (a) to sub-regulation (1) of the regulation 16 of the Metalliferous Mines Regulations, 1961, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. S.O. 2793, dated the 23rd September, 1963, namely:—

In the Table appended to the said notification, under the heading "U.S.A.", after serial No. 2 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely:—

I

II

"3. Missouri School of Mines and Metallurgy, Bachelor of Science Degree in Mining University of Missouri, Rolla, U.S.A. Engineering."

[No. 17/2/70-MI(vi).]

S.O. 1673.—In pursuance of clause (b) of the proviso to sub-regulation (1), and clause (b) of the proviso to sub-regulation (2) of regulation 18 of the Metalliferous Mines Regulations, 1961, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1675, dated the 30th May, 1966 namely:—

In the Table appended to the said notification, under the heading "U.S.A.", after serial No. 2 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely:—

I

II

"3. Missouri School of Mines and Metallurgy, Bachelor of Science Degree in Mining University of Missouri, Rolla, U.S.A. Engineering."

[No. 17/2/70-MI(vii).]

J. D. TEWARI, Under Secy.

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 25th April 1970

S.O. 1674.—The following draft of a scheme further to amend the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1957, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is published as required by the said sub-section for the information

of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 1st June, 1970.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be taken into consideration by the Central Government.

Draft Scheme

1.(1) This Scheme may be called the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme, 1970.

2. In the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1957, clause 6-B shall be renumbered as sub-clause (1) thereof and after sub-clause (1) so renumbered, the following sub-clauses shall be inserted, namely:—

“(2)(a) The Administrative Body shall keep separate accounts of the receipts of levy and expenses including the payments like disappointment money, attendance allowance, guaranteed minimum wages, Provident Fund, or Gratuity in respect of each of the three pools of workers covered by clause 9-A of the Scheme. For the purposes of the accounting the receipts and expenditure, each of the said three pools shall be treated as a separate and distinct unit namely coal, ore and chipping and painting. The receipts from one unit shall not be utilised to meet the expenses of any other unit except with the prior permission and sanction in writing of the Madras Dock Labour Board.

(b) The Administrative Body shall allocate the overhead expenses incurred by it for administering the Scheme to each of the units, separately in proportion to the receipts from each of the units.

(3) The Administrative Body shall arrange to see that the amounts expended from the receipt of one unit for any other unit and remaining unpaid on the date when the aforesaid clause is brought into operation is immediately recovered from the concerned listed employer or employers, and failure on the part of the concerned listed employer to pay such amounts will attract the provisions of clause 11-A of the Scheme without prejudice to any other mode of recovery of the said amounts.

[No. 62/3/69-Fac.II/P&D.]

S.O. 1675.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to Messrs Baney Madhub Mookerjee and Company, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th April, 1970.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

REFERENCE No. 102 OF 1969

PARTIES:

Employers in relation to Messrs Baney Madhub Mookerjee and Company, Calcutta,

AND

Their workmen.

PRESENT:

Mr. B. N. Banerjee, Presiding Officer.

APPEARANCES:

On behalf of Employers—Mr. S. S. Aiyar, Secretary, Calcutta Master Stevedores' Association.

On behalf of Workmen—Mr. Hiralal Roy, President, Shipping Employees' Union.

STATE: West Bengal

INDUSTRY: Dock.

AWARD

By Order No. 28/9/69-LWI. III, dated February 26, 1969, the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), referred the following industrial dispute between the

employers in relation to Messrs Baney Madhub Mookerjee and Company, Calcutta and their workmen, to this Tribunal, for adjudication, namely:

- “(i) Whether the action of the management of Messrs Baney Madhub Mookerjee and Company, Calcutta in terminating the services of Sarvashree S. C. Mookherjee and H. C. Mohinta, Monthly Clerks with effect from the 30th December, 1968 was justified?
- (ii) If not, to what relief are the two workmen entitled?”

2. Both the management and their workmen represented by Shipping Employees Union submitted their respective written statement. Since Mr. S. S. Aiyar appearing for the management and Mr. Hiralal Roy appearing for the Shipping Employees Union agreed upon the facts involved in this reference, I need recount the following undisputed facts only for the purpose of making my award.

3. The two workmen, S. C. Mookerjee and H. C. Mohinta, were at first employed as probationer clerks under more or less similar terms of employment. One such letter of appointment, issued in favour of Hem Chandra Mohinta (Ext. B), dated May 13, 1955, is hereinbelow quoted:

“You are hereby informed that you are appointed as a monthly clerk entailing the works of any of the under-mentioned categories on a salary of Rs. 170/- per month. This appointment is initially for a probationary period after which, if your work is satisfactory, you will be confirmed in the appointment. In accepting this appointment you agree to abide by any terms and conditions of service which may be drawn up by the Association in consultation, if necessary, with the Calcutta Dock Labour Board. In accepting this appointment you agree that certain types of clerking work on vessels, especially tallying, are optional and at owner/stevadors’ option.

Asstt. Clerks	}	Rs. 170/- p.m.”
Receiving Clerks		
Board Inspectors		
Measuring Clerks		

It is not disputed that both workmen were confirmed as permanent workmen, after serving their periods of probation. It is also admitted that the services of the two workmen were terminated by notices couched in similar language, in November 1968. One such notice, addressed to Hem Chandra Mohinta (Ext. C), is set out below:

“To 26th November 1968

Sri Hem Chandra Mohinta,
Rabindra Nagar, Behala,
Calcutta-34.

He is hereby informed that his service as monthly Asstt. Clerk will be considered as terminated with effect from 30th November 1968 by way of ordinary discharge.

This notice is to be treated as 30 days’ notice required to be served for such termination.”

Since 30 days notice was not given by the notice quoted above, the date of termination was subsequently verbally changed from November 30, 1968 to December 30, 1968. This appears from paragraph 6 of the written statement of the workmen, which I set out below:

“That on intervention of an Assistant Labour Commissioner (Central), Calcutta the employer verbally intimated the workmen that the Notice would be effected on and from 30th December, 1968 instead of 30th November, 1968 as it was 30 days notice.”

4. It is not dispute, either by the management or by the workmen, that in discharging the workmen, the management proceeded under Rule 12 of the Standing Orders governing the employment of monthly workers by Stevedores registered under the Calcutta Dock Labour Board (Ext. 1), which reads as follows:

“12. Termination of employment:

If the services of a monthly worker are terminated by the employers he shall be entitled to registration in the Reserve Pool in a similar

category and his previous service will be reckoned for all benefits and the employer shall transfer to the Board all benefits that have accrued to the worker in respect of previous service as if such service had not been terminated, unless the Board decides that for some special reason the worker is unfit to be re-employed as a dock worker.

The employer shall in particular contribute to the Board such amount as may be appropriate towards the worker's leave that may be due to him on the date of such transfer.

The services of monthly workers may be terminated under the following conditions:

1. One month's notice by either side;
2. Payment of one month's wages in lieu of notice by the employer;
3. Mutual consent i.e. without one month's notice on either side or without payment of one month's wages.

The workmen were somewhat confused about the effect of the Standing Order and as such they pleaded as follows, in paragraph 10 of their written statement:

"10. That other stevedoring concern maintaining such staff follow the certified standing order of their Association dated 7th July, 1954 under the name and style "STANDING ORDERS" governing the employment of Monthly workers Registered under the Calcutta Dock Labour Board". As such service conditions including termination of services are necessarily to be followed in respect of Sarvasree S. C. Mookherjee and H. C. Mohinta. Since the Company is not following the above Standing Orders and has framed none nor have made any contract of termination of service through their letter of appointment or elsewhere, have no right to discharge. As such he (sic) is incapable of terminating their services and hence pray reinstatement."

Mr. Aiyar was very honest in his argument and made the fair concession that Rule 12 of the Standing Orders (Ext. 1) applied only to Registered Dock Workers as defined in the Calcutta Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1956. He further conceded that the two concerned workmen were not registered dock workers and therefore the Standing Order, Ext. 1, did not apply to them. He lastly conceded that the management acted on the analogy of Ext. 1 and that was their only justification in discharging the workmen in the manner done.

5. In my opinion, the conduct of the management is unworthy of being upheld in the instant case. The workmen certainly finished their probation and became permanent workmen. They were not dismissed for blameworthiness in a proper disciplinary proceeding. There is no charge of misconduct against them. They were not retrenched either. The management thought that the services of the workmen could be dispensed with under the old "hire and fire" system by giving a month's notice or even less than that. In that they erred. The error was a serious lapse on the part of the management in that the workmen, who were serving faithfully since 1955, were deprived of their bread in a summary fashion. This conduct must not be upheld. I might have used more severe language against the conduct of management but for the fact that Mr. Aiyar disclosed to me that the action against the workmen was taken by the management under severe economic strain. This fact was not pleaded in the written statement. Of the extent of the economic strain I am not aware of anything. Suffice it for my purpose to condemn the action of the management as unworthy and unjustified and say nothing more.

6. In the result, I hold that the action of the management of Messrs Baney Madhub Mookerjee and Company, Calcutta in terminating the services of Sarvasree S. C. Mookherjee and H. C. Mohinta, monthly clerks, with effect from 30th December, 1968, was not justified. That being the position the workmen are entitled to be reinstated to their posts, without break in service, with full back wages.

This is my award.

B. N. BANERJEE,

Presiding Officer.

Dated, April 13, 1970

[No. 28/9/69-LWI.III/P&D.]

S.O. 1676.—The following draft of a scheme further to amend the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1957, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), is published as required by the said sub-section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 30th May, 1970.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be taken into consideration by the Central Government.

Draft Scheme

1. This Scheme may be called the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Amendment Scheme 1970.

2. In the Madras Unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1957, (1) in clause 1, the following proviso shall be inserted after sub-clause (2) (b), namely:—

“Provided that this Scheme shall not apply to any dock worker or employer unless he is listed as such under this Scheme.”;

(2) For clause 2 the following clause shall be substituted, namely:—

“**Objects.**—The objects of this Scheme are to regulate the employment of the dock workers to whom this Scheme applies and to ensure efficient performance of work by the said workers.”;

(3) Clause 4 shall be renumbered as sub-clause (1) and in sub-clause (1) of clause 4 as so renumbered,—

(i) for item (ee) the following item (ee) shall be substituted, namely:—

“(ee) making provision for the training and welfare of listed workers including medical benefits in so far as such provision does not exist apart from this scheme.”;

(ii) the following items shall be inserted after item (ee):—

“(f) ensuring the adequate supply and the full and proper utilisation of the listed worker for the purpose of facilitating the rapid and economic turnaround of vessels and the speedy transit of goods through the Port;

(g) regulating the recruitment and entry into and the discharge from the Scheme of listed workers and the allocation of listed dock workers in the pool to listed employers;

(h) keeping, adjusting and maintaining from time to time such registers or records, as may be necessary, of listed workers, including any registers or records of listed workers who are temporarily not available for dock work and whose absence has been approved by the Administrative Body and where circumstances so require, removing from any register or record the name of any listed dock worker either at his own request or in accordance with the provisions of the Scheme.”;

(iii) item (f) shall be re-lettered as (i) and for item (i) as so renumbered the following (i) shall be substituted, namely:—

“(i) levying and recovering from listed employers contributions in respect of the expenses of the Scheme.”;

(iv) the existing items (g) and (h) shall be re-lettered as items (j) and (k);

(v) the following new items shall be inserted after item (k):—

“(l) making provision for health and safety measures in places where listed workers are employed in so far as such provision does not exist apart from the Scheme;

(m) maintaining and administering the Listed Workers Welfare Fund and recovering from all listed employers contributions towards the fund in accordance with the rules of the Fund that may be framed under this Scheme;

- (n) maintaining and administering a provident fund and a gratuity fund for listed workers in the pool; and
- (o) borrowing or raising money and issuing debentures or other securities and, for the purpose of securing any debt or obligation mortgaging or charging all or any part of the property of the Board."

(4) after sub-clause (1) of clause (4), the following new sub-clauses shall be inserted; namely:—

"(2) The Board shall cause proper accounts to be kept of the cost of operating the Scheme and of all receipts and expenses under this Scheme.

(3) The Board shall submit to the Central Government—

- (i) as soon as may be after the first day of April in every year and not later than the thirty-first day of October of that year, an annual report on the working of this Scheme during the preceding year ending the thirty-first day of March together with an audited balance sheet; and

(ii) copies of proceedings of the meeting of Board.";

(5) after clause 4 the following new clause shall be inserted, namely:—

"4A. The income and property of the Board from whatever source derived shall be applied solely towards the objects of this Scheme including, health, safety, training and welfare measures for listed workers (including assistance by way of grant of loan or otherwise to Co-operative Societies formed for the exclusive benefit of listed workers and the staff of the Board) and no portion thereof shall be paid or transferred directly or indirectly by way of dividend, bonus, or otherwise by way of benefit to the members of the Board, provided that nothing herein shall prevent the payment of reasonable and proper remuneration and expenses to any officer or servant of the Board or to any member of the Board, in return for any services actually rendered to the Board, nor prevent the payment of interest at a reasonable rate on money lent or reasonable and proper rent for premises demised or let by any member to the Board nor prevent the incurring of expenditure on welfare measures, if any, for the staff of the Board and the Administrative Body.";

(6) after clause 4A the following new clause shall be inserted:

4AA *Responsibilities and duties of the Board in meeting.*—The Board in meeting shall be responsible for dealing with all matters of policy and in particular—

- (a) fix the number of dock workers to be listed under various categories;
- (b) increase or decrease the number of workers in any category on the register or record from time to time as may be necessary after a periodical review of the registers and anticipated requirements;
- (c) consider listing of new employers on the recommendations of the Chairman;
- (d) prescribe forms, records, registers, statements and the like required to be maintained under this Scheme;
- (e) determine the wages, allowances and other conditions of service, and re-fix the guaranteed minimum wages in a month after annual review;
- (f) fix the rate of levies, administrative and other charges;
- (g) fix the rate of contribution to be made by the listed employers to the Dock Workers Welfare Fund;
- (h) appoint, dissolve or reconstitute Committee under clause 7;
- (i) sanction the annual budget;
- (j) sanction the creation of posts the maximum salary of which exclusive of allowance is less than Rs. 1,000 per mensem and make appointments to such posts;
- (k) make recommendations to the Central Government about changes in Schedule;

- (l) make recommendations to the Central Government about any modification in this Scheme;
- (m) endeavour to settle disputes about which a request for adjudication has been made to the Central Government by the parties concerned and report to the Central Government the results of such endeavours;
- (n) discuss statistics of output of labour and record its observations and directions; and
- (o) sanction the opening of accounts in such scheduled Banks as it may direct and the operation of such accounts by such persons as the Board may from time to time direct.”;

(7) In clause 5,—

- (i) in sub-clause (1) items (c) and (d) of shall be deleted and following new items shall be inserted after item (b); namely:—
- “(c) to supervise and control the working of the Administrative Body and to take suitable steps if any irregularities are detected by him or brought to his notice;
- (d) to ensure that the provisions of the Scheme in regard to transfer and promotion of workers are carried out;
- (e) to constitute medical boards when required;
- (f) to ensure that all forms, registers, returns and documents prescribed under this Scheme, are properly maintained;
- (g) to sanction the creation of posts the maximum salary of which exclusive of allowance is upto rupees six hundred per month and to make appointment to such posts;
- (h) to take disciplinary action against listed workers and employers in accordance with the provisions of this Scheme;
- (i) to declare that there has been a ‘go-slow’ and to take action as authorised under this Scheme;
- (j) to declare a ‘state of emergency’ and to take action as authorised under this Scheme;
- (k) to make a report, when necessary to the Central Government under rule 5 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Rules, 1962;
- (l) to deal with appeals under clauses 15 and 16; and
- (m) to discharge all other duties and responsibilities specifically vested in the Chairman under this Scheme.”

(ii) in sub-clause (2) for item (a) the following item (a) shall be substituted, namely:—

- “(a) to the Deputy Chairman any of this functions under sub-clause (1) above excepting those mentioned in items 5(1)(e), (g), (h), (i), (j), (k), (l) and (m) above. Such delegation shall not divest the Chairman of his powers.”;

(8) for clause 6 of the following clause shall be substituted, namely:—

“6. Responsibilities and duties of the Deputy Chairman and Personnel Officer:—

- (1) The Deputy Chairman shall assist the Chairman in the discharge of his functions and, in particular, shall—
 - (a) discharge all functions relating to disciplinary action against listed employers and listed workers to the extent permitted under clause 14;
 - (b) function as Chairman of Committees of the Board to which he may be nominated a member;
 - (c) carry out the functions of the Administrative Body if there is no Administrative Body appointed under clause 6A; and
 - (d) exercise such other functions as are delegated to him by the Chairman.

- (2) The personnel Officer shall assist the Deputy Chairman generally in the discharge of his duties and in particular shall carry out such functions as may be delegated to him by the Deputy Chairman and shall, in particular, carry out the functions vested in him under clause 14.”;

- (9) for clause 6A the following clause shall be substituted, namely:—

“6A-Administrative Body.—(1) The Central Government may, by notification in the official Gazette, appoint an Association or body consisting of such employers or listed workers as the Central Government may nominate in this behalf to be the Administrative Body for the purpose of carrying out the functions assigned to it under the Scheme. If no such Administrative Body is appointed, the Deputy Chairman shall carry out the functions of the Administrative Body.

- (2) The Administrative Body shall, subject to the supervision and control of the Board, the Chairman and the Deputy Chairman and subject to provisions of Clause 14 carry on the day-to-day administration of this Scheme.

- (3) The Central Government may for sufficient cause remove any Administrative Body appointed under sub-clause (1):

Provided that the Administrative Body shall not be removed unless it has been given a reasonable opportunity of being heard.”;

- (10) after clause 6A the following new clause shall be inserted, namely:—

“6AA. *Annual Estimates.*—The Chairman, shall at a special meeting to be held before the end of February in each year, lay before the Board the annual budget as received from the Administrative Body under Clause 6(B)(i) of this Scheme, for the year commencing on the first day of April then next ensuing in such detail and form as the Board may, from time to time, prescribe. The Board shall consider the estimate so presented to it and shall, within four weeks of its presentation, sanction the same either unaltered or subject to such alterations as it may deem fit.”;

- (11) for clause 6-B the following clause shall be substituted, namely:—

“6-B. *Functions of the Administrative Body.*—Without prejudice to the powers and functions of the Board, the Chairman, the Deputy Chairman and the Administrative Body, shall be responsible for the Administration of this Scheme and in particular be responsible for,—

- (a) keeping, adjusting and maintaining the employers' list entering or re-entering therein the name of any listed employer and where circumstances so require, removing from the list the name of any listed employer either at his own request or in accordance with the provisions of this Scheme;
- (b) keeping, adjusting and maintaining from time to time such lists, registers or records as may be necessary, of listed workers including any lists, registers or records of listed workers who are temporarily not available for dock work and whose absence has been approved by the Administrative Body and where circumstances so require removing from any register, list or record the name of any listed dock worker either at his own request or in accordance with the provisions of this Scheme;
- (c) the employment and control of listed dock workers available for work when they are not otherwise employed in accordance with this Scheme;
- (d) the allocation of listed dock workers in the pools constituted under Clause 9(A) who are available for work to listed employers and for this purpose, the Administrative Body shall—
 - (i) be deemed to act as an agent for the employer;
 - (ii) make the fullest possible use of listed dock workers in each pool;
 - (iii) keep the record of attendance at call stands or control points of listed workers;
 - (iv) provide for the maintenance of the records of employment and earnings;

- (v) allocate listed workers in accordance with Clause 9.A(3)(f);
- (vi) make necessary entries in the Attendance and wage cards of the **listed workers in the pool;**
- (e) (i) the collection of levies, administrative and other charges, contribution to the Listed Workers Welfare Fund;
- (ii) the collection of the listed dock workers' contribution to the Provident Fund, Insurance Fund or any other Fund which may be constituted under this Scheme;
- (iii) the payment as agent of the listed employer to each listed worker of all earnings properly due to the worker from the employer and the payment to such workers of all monies payable by the Board to these workers in accordance with the provisions of this Scheme;
- (f) appointing, subject to the budget provision and with the sanction and approval of the Chairman such officers and servants from time to time as may be necessary;
- (g) making provision for training of workers as it may consider necessary;
- (h) the keeping of proper accounts of the cost of operating this Scheme and of all receipts and expenses under it and making and submitting to the Board an annual report and audited balance sheet;
- (i) the framing of the budget annually submitting the same to the Board on or before the fifteenth day of February in each year and getting it approved by the Board;
- (j) maintaining complete service records of all listed workers covered under the Schedule; and
- (k) such other functions as may, from time to time, and subject to the provisions of this Scheme, be assigned to it by the Board, the Chairman or the Deputy Chairman.”;

(12) in clause 6-C the following words shall be inserted at the end; namely:—

“and shall in particular, carry out the functions vested in him under clause 14.”;

(13) in clause 8 after sub-clause (5) the following new sub-clauses shall be inserted; namely:—

“(6) Notwithstanding any other provision of this Scheme, the Board in meeting may direct the removal of the name of a listed employer who has not transacted any work for two consecutive years:

Provided that before giving any such direction, the Board shall give the employer an opportunity of showing cause why the proposed direction should not be issued.

(7) Notwithstanding anything contained in this clause, the following classes of persons shall not be eligible for being listed as employers under this Scheme, namely:—

- (a) persons who are not citizens of India;
- (b) firms, one or more partners of which is or are not citizen or citizens of India; and
- (c) companies the majority of the shareholders whereof are not citizens of India.”;

(14) in clause 9-A after sub-clause (2), the following new sub-clause shall be inserted, namely:—

“(3) (a) Workers shall be employed in shifts;

(b) A worker shall not ordinarily be employed in two consecutive shifts on each of two successive days. In no case, shall a worker be employed in three consecutive shifts;

(c) A worker in the pool shall not be employed for more than 8 shifts in a week;

(d) In special circumstances, the Chairman may relax temporarily the restrictions under sub-clause (c) to the extent necessary;

- (e) workers working in more shifts than one in a day shall be entitled to the normal rate of wages for work in each shift;
- (f) where work is carried on by a gang, the allotment of workers by rotation shall be by gangs.”;

(15) for clause 10 the following clause shall be substituted, namely:—

“10. *Medical Examination.*—(1) A new worker before listing shall undergo, at the cost of the Administrative Body, a medical examination for physical fitness by a Medical Officer, nominated by the Chairman for this purpose. A worker found medically unfit by a Medical Officer may apply in writing to the Chairman and simultaneously deposit with him such fees as may be fixed from time to time, in this behalf for examination by a Medical Board. On receipt of such a request the Chairman shall set up a Medical Board. The decision of the Medical Board shall be final and a worker who is medically unfit shall not be entitled to listing.

(2) If the Administrative Body deems it necessary, a worker shall undergo at the cost of the Administrative Body a medical examination by a Medical Board to be constituted by the Chairman. The decision of the Medical Board shall be final. If a worker is found unfit by the Medical Board, the Chairman shall terminate his services forthwith.”;

(16) after clause 10-E the following new clause shall be inserted, namely:—

“10-F. *Listed Dock Workers Welfare Fund.*—Cost of amenities, welfare and health measures and recreation facilities, for listed dock workers shall be met from a separate fund called Listed Workers Welfare Fund which shall be maintained by the Board. Contributions to this Fund shall be made by all listed employers at such rates as may be determined by the Board. The Board shall frame rules for contribution to, maintenance and operation of, the Fund.”;

(17) in clause 11(i) for sub-clause (2) the following clause shall be substituted, namely:—

“(2) Every listed employer shall pay to the Board such levies and administrative charges as may be fixed by the Board from time to time under clause 4-A(f).”;

(ii) for sub-clause (5) the following clause shall be substituted, namely:—

“(5) A listed employer shall pay to the Administrative Body in such manner and at such times as the Chairman may direct the amount payable by way of levies, administrative charges and other charges under sub-clause (2) and gross wages due to the listed dock workers.”;

(iii) the following new sub-clauses shall be inserted at the end of sub-clause (7), namely:—

“(8) A listed employer shall, on demand, make a payment to the Administrative Body by way of deposit or provide such other security for the due payment of the amount referred to in sub-clauses (2) and (5) as the Board may consider necessary.

Failure to make such deposits within the time fixed by the Chairman or failure to recoup it within the time allowed by the Chairman or Deputy Chairman shall result in stoppage of supply of labour to the employer concerned.

(9) A listed employer who is in arrears of levies or other charges payable to the Administrative Body or the Board under this Scheme shall be liable to be proceeded against by the Board in a Civil Court of Law.”;

(18) for clause 11-A the following clause shall be substituted, namely:—

“11-A. *Suspension of supply of listed workers.*—If a listed employer fails to make the payment due from him under sub-clause (2) or sub-clause (5) of clause 11 or any other amount due and payable to the Board in any other capacity or account within such time as may be prescribed by the Administrative Body or Deputy Chairman or Chairman or Board, the Administrative Body shall serve a notice on the employer to the effect that unless he pays his dues within three days of the receipt of the notice, the supply of listed workers to him shall

be suspended. On the expiry of the notice period, the Administrative Body shall suspend the supply of listed workers to the defaulting employer until he pays his dues.”;

(19) after clause 11-A the following new clause shall be inserted, namely:—

“II-B. *Consequences of suspension of supply of listed workers.*—Whenever the suspension of supply of listed workers is effected in accordance with clause 11-A above, the financial liabilities arising therefrom in relation to the workers concerned shall be to the account of the defaulting employer or employers concerned. The amount due to the Administrative Body or to the Board on account of this liability shall also be recoverable from the employer or employers concerned in the same manner as other dues and charges payable under this Scheme.”.

[No. 53/1/70-Fac.II.]

C. RAMDAS, Dy. Secy.

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 27th April 1970

S.O. 1677.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh, in the industrial dispute between the employers in relation to the Bhakra Right Bank PPII, Nangal and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th April, 1970.

**BEFORE SHRI P. P. R. SAWHNY, B.A. (HONS) CANTAB BAR-AT-LAW,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
PUNJAB, CHANDIGARH**

REFERENCE NO. 8/C OF 1969

BETWEEN

The employers in relation to the Bhakra Right Bank PPII, Nangal and their workmen.

APPEARANCES:

Shri Ram Kishan Singh, General Secretary, Nangal Bhakra Mazdoor Sangh, *for the workman.*

Shri S. S. Jain, S.D.O., *for the respondent Board.*

AWARD

An industrial dispute having arisen between the workmen and the Bhakra Management Board (Power), Nangal Township, in relation to the Bhakra Right Bank PP II, regarding the matter specified below, the Central Government referred the same to this Tribunal for adjudication *vide* Labour & Employment Department's order No. 4/29/69/LR/III, dated 28th October, 1969:—

“Whether the management of the Bhakra Management Board (Power), Township, was justified in terminating the services of Shri Mansha Singh, Auto Chargeman with effect from 12th February, 1969? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. Usual notices were issued to the parties. The concerned workman, Shri Mansha Singh, put in the statement of claim and the respondent management their written statement. A replication was then placed on record by the concerned workman.

3. In the statement of claim it has been mentioned that the concerned workman, Shri Mansha Singh, was involved in an accident and he had proceeded on two months' leave, that he produced a fitness certificate from a medical practitioner before resuming duty, that the management directed him to obtain a medical fitness certificate from the Principal Medical Officer, Canal Hospital, Nangal Township, that on the production of the fitness certificate the concerned workman continued in service of the respondent management till 12th February, 1969, that he was served with a notice of termination of service which was improper inasmuch as he was not charge-sheeted and no enquiry was held against him and all

that was alleged was that he was not fit to perform the duty properly and that at the time of termination of his service Shri Data Ram, chargeman, who was junior to him had been retained in service.

He has demanded that he should be reinstated and ordered to be paid full back wages.

4. In the written statement it has been *inter alia* mentioned that it had been observed that Shri Mansha Singh could not perform his duties properly, that the Principal Medical Officer, Nangal to whom he was sent for medical examination, had issued the certificate which showed that Shri Mansha Singh had poor eye sight of both the eyes and also limped there being a little shortening of his left leg, and had added that Shri Mansha Singh was fit to resume duty after having availed of his leave on medical grounds,

that he was served with a one month's retrenchment notice on 10th January, 1969 in accordance with the provisions of S. 25F para (a) of the Industrial Disputes Act, which expired on 12th February, 1969,

that this Section lays down that it is obligatory on the part of the employer to ordinarily retrench the workman who was the last person to be employed in the same category unless for reasons to be recorded, the employer can retrench any other person, and in accordance with this provision reasons having been given for his retrenchment which were to be duly recorded in the retrenchment notice, his termination of services was valid and legal,

that he was given an opportunity to prove that he was fit to perform his duties during the notice period of one month,

that once again he was provided with opportunity to get 100 per cent fitness certificate but he did not avail of it, and that the relief in the form of retrenchment compensation is payable to Shri Mansha Singh which can be paid and is payable to him and because the disability of Shri Mansha Singh which was not caused by any accident etc. during the performance of duty, no other compensation was payable to him.

5. In the replication the pleas taken in the statement of claim were reiterated and it was further mentioned that the Principal Medical Officer had declared him fit to resume duty after his having availed of medical leave and the short-comings in him, pointed out by the Principal Medical Officer, were not considered by him as a hindrance in any manner in the discharge of his normal duty in a perfect manner inasmuch as he was not charge-sheeted on that account and his termination of service was arbitrary, and that it was incorrect that he was retrenched vide notice served on him on 10th January, 1969, but that the fact was that the charges levelled against him were of inefficiency and that his services had been terminated without any charge sheet or enquiry.

He has also stated that in case he had been retrenched, such retrenchment was illegal and void as he had not been paid retrenchment compensation in accordance with the provisions of S. 25F which is a condition precedent and no notice in form 'P' had been sent by the management to the prescribed authorities and retrenchment in any case was necessary to the provisions of S.25(g) of the Industrial Disputes Act, 1947 as a junior person in the same category had been retained, that the fact of the matter was that the notice given to him was not a retrenchment notice, and that he could only be retrenched if he was declared to be surplus.

6. Since the parties did not claim any other issue than the term of reference, the term of reference was framed as the only issue.

7. The management have examined two witnesses. Shri Vas Dev Singh, Lines Superintendent, Transport, Bhakra, R.W. 1, has stated that Shri Mansha Singh was a work charge employee and he had been served with a notice for one month before his services were terminated as his eye sight had become very weak and could not discharge his duties as a shift incharge independently, but has added that he did not know if Shri Mansha Singh had been paid any compensation for the notice period though according to him Shri Mansha Singh had been paid full emoluments for the notice period of one month.

According to him, Shri Mansha Singh had fallen from roof of a house and come by an injury and could hardly walk about for two months with a stick, and that he had become handicapped and had been sent for a medical examination after it was discovered that he was incapable of discharging his duty.

He has also stated that he did not know if Shri Mansha Singh had been given any charge-sheet or his explanation had been secured before he was served with a notice or given any opportunity to have himself examined by a doctor again and obtain cent per cent fitness certificate.

He has admitted that Shri Data Ram who was junior to Shri Mansha Singh, had been kept in service when Shri Mansha Singh was served with a one month's notice, and that the notice sent to Shri Mansha Singh had the subject mentioned as "notice for termination due to completion of Bhakra Plant No. 2", and has added that in the body it was mentioned that he (Shri Mansha Singh) was unable to carry out his duties efficiently.

8. The only other witness produced by the management is Shri S. S. Jain, S.D.O. Stores Department, Bhakra, who has stated that his predecessor had sent a letter to the Executive Engineer, a copy of which is Ext. R/1, mentioning therein that Shri Mansha Singh was not fit to carry out the duties assigned to him because of his poor eye sight and shortness of his left leg,

that Shri Mansha Singh was then served with a notice, copy of which is Ext. R/2, and Shri Mansha Singh sent his reply, Ext. R/3,

that his predecessor had submitted his report Ext. R/4, to the Executive Engineer, and that a reply was sent to the representation of Shri Mansha Singh by the Executive Engineer, copy of which was Ext. R/5, and a copy of the medical certificate given by the Principal Medical Officer regarding Shri Mansha Singh's state of health and shortness of his leg, was Ext. R/6.

He has also stated that during the notice period it was open to the concerned workman to have produced the fitness certificate but he failed to do so.

According to him all the employees who were junior or senior to Shri Mansha Singh in the same category were retrenched as the work had been completed, and that Shri Mansha Singh would have in any case been retrenched on 24th March, 1969, when the other employees in the same category were retrenched.

He has admitted that the notice, Ext. R/1, was sent on a general proforma but has added that it related to the fitness of Shri Mansha Singh.

He has also stated that the medical certificate, Ext. R/6, has a mention that Shri Mansha Singh had poor eye sight of both the eyes and he limped there being a little shortening of the left leg, but that Shri Mansha Singh was fit to resume duty after he had availed of leave on medical grounds.

He has also admitted that no separate order was recorded except the one that has been exhibited in these proceedings, and has added that since Shri Mansha Singh's services were terminated on account of physical unfitness, the question of paying him any retrenchment compensation did not arise.

He has further admitted that on the expiry of his leave Shri Mansha Singh was allowed to join duty after getting himself medically examined, and that the medical certificate was not available from the records which had been brought by him.

He has further more admitted that it has been mentioned in the written statement:

"As regards relief to the workman necessary relief in the form of retrenchment compensation in accordance with S. 25F of the Industrial Disputes Act is payable to the workman which he can be paid."

But he has tried to clarify this para of his statement by saying that it was meant to convey that the workman was entitled to payment of gratuity.

He has further admitted that at the time Shri Mansha Singh was served with notice, his post had not been declared surplus, but his services had been terminated because of his physical unfitness.

He has also stated that it had been suggested by his predecessor that Shri Mansha Singh be served with one month's notice, and that Shri Mansha Singh had not been given any charge-sheet regarding his physical incapacity, and that no explanation was secured from him in that behalf.

8. The concerned workman has examined himself as a witness, and has stated that he had joined the respondent management as a fitter on 23rd August, 1965, and that he came by an injury and he proceeded on two month's leave on medical

medical certificate from doctor Mikhi Ram, M.B.B.S.,

that he was never chargesheeted by the management for neglecting his duty in any manner,

that he was sent on 4th November, 1968 to the Medical Officer for being examined, who wrote back to the management and asked them to clarify as to what exactly they wanted him to be examined for,

that he was again directed by the management to appear before the Medical Officer on 7th January, 1969, who reported after examining him that he was fit to resume duty,

that he was served with one month's notice terminating his service on 13th January, 1969,

that the heading of that notice was that the termination of services was on account of completion of work, but the body had a mention that it was due to physical unfitness and inability to do his duty,

that there was no complaint of any kind regarding his not being able to do his duty properly upto the date of service of the notice.

that there was no occasion for him to secure assistance from any one for doing his duty, and that the fact of the matter was that he had been putting in over time even after availing of two months' leave,

that at the time of termination of his services, Shri Data Ram, who was junior to him in the same category had been allowed to continue to work,

that his eyesight was not weak and he could walk about freely,

that he did not limp, and that he had not been paid any compensation.

The workman has also examined another two witnesses, Sarvshri Vas Dev Singh and Karan Vir Mehta.

According to Shri Vas Dev Singh, Lines Superintendent of the respondent Board the concerned workman discharged efficiently his duties prior to meeting with an accident, but added that after the accident he could not attend to some of his duties without specifying what these duties were which could not be attended to by the concerned workman. He has on the other hand admitted that as per chart Ext. A/1, the concerned workman had been paid compensation for putting in extra duty after meeting with the accident.

It may be stated that this witness was the immediate officer of the concerned workman, and is still in service and his statement that the concerned workman could not attend to some of his duties properly cannot be given the same amount of weight as if a statement to this effect were to be made by an independent person.

The only other witness, Shri Karan Vir Mehta, A.W. 3, has merely pleaded on record Ext. A/2, report made by the Conciliation Officer about his failure to bring about conciliation between the parties in respect of the dispute forming subject matter of reference.

It may be observed that the management have taken different plea in the written statement and in the statements made by their witnesses in respect of the ground on which the services of Shri Mansa Singh had been terminated.

In the written statement it has been mentioned that they had found that due to poor eye sight and shoriness of one of his legs as reported by the Principal Medical Officer, Shri Mansha Singh was not found fit to resume duty after having availed of leave, and that keeping this fact in view he was served with retrenchment notice vide S. 25F of the Industrial Disputes Act, and that relief to the concerned workman in the form of retrenchment compensation in accordance with S. 25F was payable which can be paid to him.

But in the notice of termination of services it has been mentioned in the heading "Termination of services on account of completion of Bhakra Plant No. 2", and in the body it is mentioned that the termination of services was on account of physical unfitness.

In the statement made by Shri S. S. Jain he has admitted that the notice, Ext. R/1, was given on a general proforma and has added that since the services of Shri Mansha Singh were terminated on account of physical unfitness, the question of payment of retrenchment compensation to him did not arise. It has been mentioned in the written statement that:

"that he had been served with retrenchment notice vide Sec. 25 F of the Industrial Disputes Act, and as regards relief to the workman necessary relief in the form of retrenchment compensation in accordance with S. 25F of the Industrial Disputes Act is payable to the workman which he can be paid by the department."

He has tried to clarify by saying that what he meant to convey by this was that gratuity was payable to the workman.

He has also stated that at the time Shri Mansha Singh was served with the notice, his post had not been declared surplus, and that his services had been terminated due to his physical unfitness, but has admitted that his predecessor in his report, Ext. R/4, had suggested to the Executive Engineer that he (Mansha Singh) be served with retrenchment notice.

The statement made by the concerned workman has a clear mention that he had not been paid any retrenchment compensation and it has also been specifically mentioned by the concerned workman in the replication that since he had not been paid retrenchment compensation as provided for under S. 25F of the Industrial Disputes Act, which was a condition precedent, and since notice in form 'P' had not been sent to the prescribed authorities by the management the retrenchment was illegal and void, particularly so when a person junior to him in the same category, Shri Data Ram, had been allowed to continue to remain in service.

As has been stated above the management's own case in the written statement was that Shri Mansha Singh had been retrenched, and that he was entitled to payment of retrenchment compensation under S. 25F of the Industrial Disputes Act, but for reasons best known, the management's only witness on the subject Shri S. S. Jain, has chosen to retrace this step and has in an ambiguous terms stated that Shri Mansha Singh had not been retrenched but his services had been terminated solely for the reason that he had been found to be physically unfit to carry out his duties.

It would not be out of place to mention that in the report, Ext. R/4, sent by the then S.D.O. to the Executive Engineer he had suggested that Shri Mansha Singh be served with a retrenchment notice.

It is true that the management have maintained that Shri Mansha Singh was a work-charged employee, but that alone would not justify termination of his services in the manner in which it has been done.

In any case if the stand of the management was that Shri Mansha Singh had been retrenched it may be stated that since they have not complied with the provisions of S. 25F the retrenchment is void *ab initio*, in the absence of payment of compensation and sending a notice in form 'P' to the prescribed authority by the management, particularly so when a person junior to Shri Mansha Singh, Shri Data Ram, has been allowed to remain in service.

If the stand of the management be that Shri Mansha Singh's services had been terminated because of his physical unfitness, on that account also the termination of services of Shri Mansha Singh can not be held to be justified on the basis of material placed on record as from the records it appears that the concerned workman went on two months' leave on medical ground after he had met with an accident and when he reported for duty he had produced a medical certificate of fitness from Dr. Tirath Ram, M.B.B.S., and that the management thereupon directed Shri Mansha Singh to have himself medically examined for fitness by the Principal Medical Officer, Nangal who found Shri Mansha Singh's eye sight weak and liminess due to shortness of the left leg, but he also reported that he (Mansha Singh) was fit to resume duty after having availed of leave of two months as per certificate, Ext. R/6.

The management, have curiously enough claimed that it was for the workman to have secured another 100 per cent fitness certificate after notice of termination of service had been given to him. This position of the management is untenable in view of the Principal Medical Officer having already reported in his medical certificate, Ext. R/6, that Shri Mansha Singh was fit to resume duty and so also Dr. Tirath Ram had stated in his certificate.

It would not be out of place to mention that Shri Mansha Singh was allowed to resume duty on 14th October, 1969 after having availed of two months' leave on medical certificate of fitness from Dr. Tirath Ram and that the management slept over the matter for a sufficiently long time and did not have him examined by the Principal Medical Officer till as late as 7th January 1969. In fact if it was the duty of any one to have any clarification regarding his fitness, it was of the management and they could have got the matter further clarified to their satisfaction from their Principal Medical Officer instead of serving notice of retrenchment upon the concerned workman.

It may be added that the concerned workman appeared before me and a note was record to the effect that he, the concerned workman was made to walk and it was observed that he could walk about freely, briskly and did not show any

sign of limpness and that he was also shown fingers from a distance and was asked to state how many the fingers were shown to him and he had correctly stated the number of fingers that were shown to him.

This apart the concerned workman has also stated that he had been working as before on joining duty after having availed of two months' leave on medical grounds, that there was no complaint of any one against him, and that he was not reprimanded or charge-sheeted for not performing the duty that had been assigned to him, and has added that he had been putting in over time even after reporting for duty after availing of two months leave which is to be so found from statement Ext. A/1 produced by Shri Vas Dev Singh, Lines Superintendent, A.W. 2 who was immediate officer.

The fact that no enquiry was held or charge sheet was served upon him for not performing his duty properly is significant and also lends support to the contention of the workman.

As stated above not only the management have taken up contradictory stands with regard to the ground on which a notice was served upon Shri Mansha Singh, but even if either of the two grounds were to be considered independently of each other, there was no justification whatsoever for the management to have issued the notice for termination of his services, and his termination of service is obviously unjustified and illegal, and he is entitled to be reinstated and paid full back wages.

(Sd.) P. P. R. SAWHNEY,
Industrial Tribunal (Punjab),
Chandigarh.

[No. F. 4/29/69/LRIII.]

New Delhi, the 28th April 1970

S.O. 1678.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th April, 1970.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

REFERENCE No. 196 OF 1969

PARTIES:

Employers in relation to the Punjab National Bank.

AND

Their workmen.

PRESENT:

Mr. B. N. Banerjee, Presiding Officer.

APPEARANCES:

On behalf of Employers.—Sri A. Roychoudhuri, Staff Officer.

On behalf of Workmen.—Absent.

STATE: West Bengal

INDUSTRY: Banking.

AWARD

By Order No. 23/12/69/LRIII, dated November 28, 1969, the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), referred the following dispute between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen, to this Tribunal, for adjudication, namely:

"Whether the demand of the workmen for promotion of Shri K. R. Nair a workman of the Sambalpur branch of the Punjab National Bank to the post of permanent Teller with effect from the 1st September, 1965 is justified? If so, what relief is the workman entitled to?"

2. The workmen represented by All Orissa Bank Employees Federation did not cooperate at all. They did not file their statement before this Tribunal. They

did not appear on any of the dates, including the date fixed for settling a date of peremptory hearing and also on the date of peremptory hearing, although they had been duly served with notices.

3. The management of the Bank filed a written statement. In paragraph 6(c) of the written statement, it was admitted that the Bank had assured the workmen that after the concerned workman, K. R. Nair, ceased to officiate as a Supervisor, he might be posted as permanent Teller. In paragraph 6(a), it was further stated that the demand of the workmen for promotion of K. R. Nair, the concerned workman, to the post of permanent Teller with effect from 1st September 1965, was not justified as the rules for selection of Tellers, which came into force from 28th May, 1965, did not make him eligible for such selection. It was lastly stated, in paragraph 6(b) of the written statement, that there was a permanent vacancy at Sambalpur and to fill up this permanent vacancy priority marks and ledger keeping experience of a few senior clerks at the branch office at Sambalpur, including that of K. R. Nair, were verified but the final selection was kept in abeyance during the pendency of the dispute.

4. Mr. A Roychaudhuri, appearing for the management, filed a petition today stating that the Bank was agreeable to promote the concerned workman as a permanent teller in the existing vacancy at the branch office at Sambalpur, with the coming into effect of the award in this Reference, without prejudice to the rights and contentions taken in the written statement. Since the workman has not appeared and since I feel that the offer made by Mr. Roychaudhuri is reasonable, I accept the offer of the Bank to promote the concerned workman as a permanent Teller at the Sambalpur office with effect from the coming into operation of this award.

I award accordingly.

Dated 21st April, 1970

Sd./- B. N. BANERJEE,
Presiding Officer.

[No. 23/21/69/LRIII.]

New Delhi, the 29th April 1970

S.O. 1679.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal, Allahabad, in the industrial dispute between the employers in relation to the New India Assurance Company Limited, Kanpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th April, 1970.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT ALLAHABAD

ADJUDICATION CASE NO. 27 OF 1970.

PRESENT:

Sri K. P. Gupta, Presiding Officer.

PARTIES:

Employment in relation to the New India Assurance Co. Ltd., Kanpur.

AND

Their workmen.

APPEARANCES:

For the employers—None.

For the workmen—None

INDUSTRY—Insurance-
STATE.—U.P.

Dated April 18, 1970

AWARD

By Government Notification No. 70/13/67-LRII, dated 9th August, 1968, the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), Government of India, referred the following matter of dispute as stated in the schedule to the order of reference to Industrial Tribunal, Lucknow with Sri R. N. Sharma as Presiding Officer for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947). As Sri R. N. Sharma had gone

to Delhi, the adjudication proceedings could not be started there. Subsequently by Notification No. 70(13)167-LRIII(LR.I), dated January 20, 1970, the Central Government in exercise of the powers conferred by Section 7A and Sub-section (1) of Section 33(B) of the Central Act has constituted an Industrial Tribunal with me as its Presiding Officer and has transferred the case for disposal *de-novo*—

SCHEDULE

Whether Sarvshri L. N. Gupta, S. M. Z. Haq, S. N. Tripathi, J. B. Srivastava, I. M. Mehta and M. C. Gupta, graduate Stenotypists of the New India Assurance Company Limited are entitled to two additional increments as per existing terms and conditions of service in the said company? If so, to what relief are they entitled?

After registering the case, both the parties were required to file their statement of demands by 3rd April, 1970. Both of them prayed for further time and so they were allowed to file their statements of demands till 17th April, 1970. It appears that in the mean-time, the parties settled the matter of dispute amicably and so the representative of the workmen has intimated to the Tribunal that now no dispute remains with the management and the workmen do not want to press the dispute referred for adjudication.

In view the above, my award is that the parties have settled the matter in dispute amicably to the entire satisfaction of the workmen and no dispute remains and the workmen concerned are entitled to no other relief. No orders is made as to costs.

Dated 18th April, 1970

Sd/- K. P. GUPTA,

Presiding Officer.

[No. F. 70/13/67-LRIII(LR.I).]

New Delhi, the 30th April 1970

S.O. 1680.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator in the industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India, Patna and their workmen represented by the Bihar Provincial Central Bank of India Employees Association, Muzaffarpur which was received by the Central Government on the 25th April, 1970.

ARBITRATION AWARD

(Under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947)

In the matter of an industrial dispute between the management of Central Bank of India, Patna and their workmen represented by the Bihar Provincial Central Bank of India Employees Association, Muzaffarpur.

PRESENT:

Shri A. P. Sinha, Assistant Labour Commissioner (Central) Patna, Arbitrator.

APPEARANCES:

Representing Employers:

- (1) Shri J. K. Burman, Chief Agent, Central Bank of India, Patna.
- (2) Shri S. C. Sinha, Advocate.

Representing Workmen:

- (1) Shri Sheo Shankar Prasad, General Secretary, Bihar Provincial Central Bank of India Employees Association, Muzaffarpur.
- (2) Shri N. K. Chatterjee, Asstl. General Secretary, Bihar Provincial Central Bank of India Employees Association, Muzaffarpur.
- (3) Shri R. K. Banerjee, Clerk, Central Bank of India, Patna (workmen concerned).

AWARD

By an arbitration agreement under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 published as S.O. No. 666, dated 10th February, 1970 in the Gazette of India Part II—Section 3, sub-section (ii), dated 21st February, 1970, the representatives of Central Bank of India, Patna and Bihar Provincial Central Bank of India

Employees Association, Muzaffarpur had referred the following specific matter in dispute to my arbitration:

- (a) Whether the transfer of Shri R. K. Banerjee on promotion from Patna office to any office in the group outside the corporation area of Patna be insisted by the Bank Management.
- (b) Can Shri Banerjee claim any privilege and insist on being posted at the same station where he was working as a clerk?
- (c) Whether a person at a later stage can agree for being transferred on promotion at his own sweet will or choice?
- (d) Can the member pick and choose a vacancy which he prefers?
- (e) Can a member of the All India Officer Cadre who is liable to be posted at any station in India insist on promotion and claim to be posted at any particular station?

2. The arbitration agreement which provided that the arbitration award shall be binding on the parties also specified that the arbitrator shall make his award within a period of sixty days or such further time as is extended by mutual agreement between them in writing. The period for submission of award was extended mutually by the parties in writing by 30 days. As such I was required to give my award by 28th April, 1970.

3. The parties were requested to submit brief and self contained statements of their case and also their rejoinders with copies to the opposite parties. After receipt of the written statement of facts, the parties were called for hearing of the case. The management's representative on the very first day of hearing submitted a petition for representation through Shri S. C. Sinha Advocate, High Court, Patna. The Union representatives objected for representation of the management by a lawyer. They however, consented for the same after some discussions.

4. The management of the Bank while submitting their comments on the written statement of the Bihar Provincial Central Bank Employees Association, Muzaffarpur also filed a petition with a prayer for the inclusion as a party, "The Bihar State Central Bank Employees Union Darbhanga" which is a rival union.

5. Before examining the dispute on merits it was decided to hear and dispose of the petition for inclusion of the rival union as a party. Both the parties were heard in this respect on 16th March, 1970. According to management's representatives the Bihar Provincial Central Bank of India Employees Association (hereafter called union) has raised a point that the Bank management suddenly changed the mind at the instance of the rival union and hence passed an order posting the employee to Biharsharif office as such the question of rival union has been a point alleged by the union for the purpose of victimisation. It is therefore just and proper that the rival union should be added as a party to the dispute. In this connection my attention was also invited to the observations of Madhya Pradesh High Court in Misc. Petition No. 498 of 1966 (LLJ 1970, 125) between K. P. Singh and another and S. K. Gokhale and another. My attention was also invited to the provisions in sub-section 3A of Section 10A and Section 18 of the I.D. Act. The argument on behalf of the union was that the rival union is not a party in this reference and that no notification under Sub-section 3A of Section 10A of the Act has been issued by the Central Government and as such further additions of any party without the prior sanction of appropriate authority will be illegal.

6. I have gone through the submissions of both the parties in this regard. The union has only made certain allegations against the management that the orders of posting of Shri Banerjee was changed at the instance of the rival union. The management may, therefore, produce the office bearers of the rival union as their witness if they so desire, to counter the allegations levelled. The arbitration agreement is between the Central Bank of India, Patna and Bihar Provincial Central Bank of India Employees Association, Muzaffarpur and a notification to the effect has already been issued by the Central Government as stated above under Section 10A(3) of the Act and no notification under sub-section 3A of Section 10A of the Act has been issued. As such I am of the view that no further additions can be made at this stage and pass my orders accordingly. The management have also prayed in their comments on the statement of the other party that the Arbitrator may first ascertain whether the union represents the majority as the union is raising a point of rival union. As the matter regarding majority union has not been referred for my arbitration, I shall not be within my powers to go into it. I shall confine myself only to the reference.

7. The Union filed written statements on 12th March, 1970. Their case is that the management is not justified in transferring Shri R. K. Banerjee, Clerk on promotion to officer Cadre from Patna main office to any other office outside corporation area as neither there is any written promotion policy of the bank nor any term and condition in the service rules debarring any person from remaining in the same office on promotion. In the instant case, the union pointed out that the workman was transferred to Jhauganj Patna city office on promotion vide letter No. GID/Est/27/487, dated 3rd July 1969 (Ext. W-3) which was accepted by the workman. As such the Bank cannot insist on his transfer on promotion from Patna office to any office in the group outside the Corporation area. The Union further submitted that the management's action in first offering him the post of junior officer at Patna City office and then not allowing him to join there is arbitrary, illegal and hard for the workman. The Union contended that the family circumstances of the workman are such that no sooner he was informed of the Bank intimation promoting him vide letter No. GID/Est/27/430, dated 16th June, 1969 (Ext. W-2) he made prayer dated 20th June 1969 requesting the Bank not to shift him from Patna. He also informed the management that in case the Bank does not find possible to keep him at Patna as an officer he will be glad to work at Patna as an Special Assistant. The management thus posted him to Patna City office but later on changed their orders at the instance of the rival Union and transferred him to Biharsharif.

8. The management filed written statement on 16th February, 1970. Their case is that Shri R. K. Banerjee was appointed as Clerk on 5th March, 1945 in the Central Bank at Patna. The Chief Agent of Patna Group informed him vide his letter No. GID/Est/27/430, dated 16th June 1969 that he was promoted as Junior Officer for one of the offices in the group. Shri Banerjee on 1st July, 1969 informed the management on a personal enquiry by the Chief Agent that Shri Ajoy Kumar Banerjee clerk in Jhauganj Office of the Bank is his nephew but he is residing elsewhere and not jointly with him. He was informed by the Chief Agent on 3rd July 1969 that his promotion as a Junior Officer will take effect from the date he reports on duty at Jhauganj office, Patna City. Shri Banerjee on 22nd July, 1969 informed that he has learnt that he is being transferred to Arrah and therefore requested the management to keep the order in abeyance and to give him a chance for promotion when any vacancy in the cadre of Junior Officer arise in any existing or any of the new local offices to be opened in future as due to his peculiar family circumstances and responsibility it is not possible for him to go out of Patna on promotion. He was informed in reply to his representation dated 22nd July 69 that the Head Office has granted him 3 months time from the date and he will on the expiry of that date on 21st October 1969, be posted at any of the offices outside Patna and in case he refused to accept the transfer to other office on promotion as a Junior Officer, his case will not be considered for promotion thereafter on any ground whatsoever nor he will be allowed to work as a Special Assistant even temporarily at Patna office and he will have to remain in the clerical grade. The workman Shri Banerjee replied to the above memo on 7th October 1969, stating that he has already represented his case to the Assistant General Manager and requested for further 3 months time. He was informed by the Chief Agent vide Memo No. Est/27/818, dated 14th October, 1969 that no further time could be granted and that he should report for duty as a Junior Officer after expiry of his 15 days leave with effect from 21st October, 1969. Shri Banerjee was also informed vide Memo No. Est/27/328, dated 16th October, 1969 that he is relieved at the close of the working hours of 16th October, 1969 with instructions to report at the Biharsharif office in due course. Shri Banerjee informed the Chief Agent on 3rd November, 1969 that he had informed the office that he would reply about his final acceptance of the promotion on his return from leave on 4th November, 1969 and accordingly after due consideration he stated that he is not in a position to go out of Patna and as such requested the management to allow him to continue as a clerk and work as a Special Assistant at Patna and consider his case for promotion as a Junior Officer or Special Assistant in any of the local offices at Patna when a vacancy arises. The dispute was thereafter raised before the Assistant Labour Commissioner (C), Patna by the Union and was finally referred for arbitration as agreed upon by the parties mutually under Section 10A of the Act.

9. The parties were heard on 16th March, 1970 and 30th March, 1970. On behalf of the management 2 witnesses were examined viz. S/Shri Dhrub Deo Chowdhury, Zonal Secretary, Bihar State Central Bank Employees Union, Darbhanga and J. K. Burman, Chief Agent, Central Bank of India Patna. Ten items of documents were also exhibited on behalf of the management and they are marked as Ext. M-1 to M-10. On behalf of the union only one witness was examined viz. Shri N. K. Chatterjee, clerk Patna office of the Central Bank of

India Patna and Asstt. General Secretary of the Union. Six (6) items of documents were also exhibited on behalf of the union and they are marked Ext. W-1 to W-6.

10. The Union while arguing the cases of the workmen stated that the management previously had no written promotion policy and all promotions were being made on the basis of the previous procedures, precedents and customs. The employees were being promoted in the same office in absence of any written promotion policy and cited the cases of S/Shri Alkath and S. K. Biswas of Patna office. They asserted that they have no objection if Shri Banerjee is posted at Jhauganj, Patna City office as per managements letter GID/Est/27/487, dated 3rd July, 1969 (Ext. W-3). The union submitted that the management changed their mind and decided to transfer him to Arrah in order to victimise him. Shri Banerjee represented to the management vide his letter dated 22nd July, 1969 (Ext. W-5) and 7th October 1969 (Ext. M-3). After his representation the management again passed orders for his transfer to Biharsharif vide their letter No. GID/Est/27/818, dated 14th October 1969 (Ext. M-4). The union pointed out that the management is fully aware of the fact that Shri R. K. Banerjee is President of the Central Bank of India Employees Association, Patna a registered union and that he was an eyesore to the management and that is why his transfer orders were changed frequently without any cogent reasons. The management's letter No. GID/Est/27/777, dated 27th September 1969 (Ext. W-6) threatening the workman that he would be debarred from future promotion as Junior Officer and from working as Special Assistant if he does not accept the transfer order is a glaring example of mala fide action of the management in order to victimise him. The Union accepts the inherent right of the management to transfer its employees but have disputed the same on the ground of mala fide action and in order to victimise the workman. The union cited the ruling of Supreme Court in the case between Syndicate Bank Ltd. and its workman (1966 1 LLJ 440). The union further pointed out that the management have also discriminated the case of Shri Banerjee as he was not promoted in the same office although he is President of the Union. They pointed out that the management have recently framed a written promotion policy (Marked Ext. W-1) which will be effective from 1st May, 1970. Even in this promotion policy, there is no restriction of promoting an employee in the same office in the same corporation area. The Union also cited the ruling of Supreme Court in the case between Bombay Labour Union and another V. International Franchise (Private) Ltd. and another (1966 LLJ-1 417) wherein it has been categorically held that the right of the management is not absolute even the service condition can be challenged if the same is not based on social justice.

11. The Management's Counsel during argument objected to the union's introducing facts or allegations which have not been stated in the statement of facts, written statements, comments and on the written reference notified by the Government under Section 10A of the Act. He stated that the only allegations against the management is that although the management has inherent right of transfer but this is a case of mala fide. But no where uptill now the union raised these contentions. While arguing the case of the management the Counsel pointed out that the sheet anchor of the union seems to be that the order of transfer is illegal and without jurisdiction as the workman has been victimised. He pointed out that it would be relevant to know what victimisation mean, and cited that in National Tobacco Co. V. Fourth Industrial Tribunal (A.I.R. 1960 Cal. 240) Sinha J., expressed that "victimisation mean one of two things. The first is where the workman concerned is innocent and yet he is being punished because he has in some way displeased the employer, for example by being an active member of an union of workman who were acting prejudicially to the employers interest. The Second case is where an employee has committed an offence but is given a punishment quite out of proportion to the gravity of the offence, simply because he has incurred displeasure of the employer in a similar manner as mentioned above. He pointed out that the union has failed to establish that in the instant case the action of the management was mala fide. He further argued that the managements right to order transfer of employees from one post to another is well recognised and cited the case of A. P. Tewari V. Allahabad Bank Ltd. (6FJR 196) and Canara Banking Corporation Ltd. V. U. Vittal [125 F.J.R. 61 (S.C.)].

12. The Counsel of the management further argued that the management had specifically mentioned in their letter dated 3rd July 1969 (Ext. W-3) that Shri Banerjee is liable to serve in any office of the Bank in India where he may be transferred and that he accepted the terms and conditions. He was further informed by the management vide letter dated 27th September/6th October, 1969 (Ext. W-6) that it is not for him to decide where he would work as Junior Officer

and that transfer to any office to suit the exigencies of administration is one of the conditions of the service of the officers staff of the Bank. He was also allowed 3 months time in view of the representation dated 22nd July 1969 (Ext. W-5). It has been pointed out that Shri Banerjee in his letter dated 7th October, 1969 (Ext. M-3) addressed to the Chief Agent has reiterated that it is not possible for him to go out of Patna due to unavoidable family circumstances and requested for 3 months time and to allow him to continue to work as Special Assistant. The management counsel argued that the case of victimisation now being sought to be introduced by the union is an afterthought and no victimisation argument is possible. Even the witness on behalf of the union could not substantiate the victimisation theory. He stated that the refusal of the workman to go out of Patna on promotion when he had already accepted the terms and conditions of promotion tantamounts to disobedience and as such the workman is not entitled to any privilege whatsoever and he also forfeits the right of further promotion.

13. I have gone through the documentary as well as oral evidences produced before me. The inherent right of the management to transfer its workman has not been disputed and there are numerous case laws in this regard. The management of the Bank is in the best position to judge how to distribute its man power and whether particular transfer can be avoided or not. The only exception is where there is reason to believe that the management of the bank resorted to the transfer mala fide by way of victimisation, unfair labour practice or some other ulterior motive. Supreme Court in Canara Banking Corporation Ltd. V. U. Vittar per Das Gupta J. laid down:

"It is necessary to remember in this connection that a bank which has branches in different parts of the country had to distribute its total manpower between these different branches in accordance with the needs of these branches and with an eye to its business interests. To attain the best results it becomes necessary to transfer workman from one branch to another. The best interest of the Bank may require at times that the transfer should be made outside the state or the language area in which a particular workman had formerly been employed. We have found above that the right of the bank to distribute its workman not belonging to the subordinate staff to the best advantage even though this may involve transfers outside the State or the language area in which a particular workman had been serving, was left unimpaired by the Sastri Award except that such transfers are to be avoided, if they can be avoided without sacrificing the interest of the bank. The management of the Bank is in the best position to judge how to distribute its manpower and whether a particular transfer can be avoided or not. The one exception to this statement is where there is reason to believe that the management of the bank resorted to the transfer mala fide by way of victimisation, unfair labour practice or some other ulterior motive not connected with the business interests of the bank".

14. The Union in this case has alleged victimisation on the ground that the workman Shri Banerjee is President of the Central Bank of India Employees Association, Patna. I am unable to accept this contention of the union as the workman never pointed out this fact to the management in any of his representations. The Union took up the case of the workman on 24th November 1969 (Ext. M-1) when they approached the Assistant Labour Commissioner (C), Patna for intervention. Even in this representation the union has not mentioned that the workman Shri Banerjee had been victimised because he is President of the Union. It has simply been mentioned in the representation that "It is clear that the management is determined to victimise Shri Banerjee and weaken our Association". On the contrary I find that the management have tried to accommodate Shri Banerjee by giving him time to consider the offer of promotion. That being so the case of victimisation is not proved. The action of the management cannot be said to be mala fide in posting Shri Banerjee outside corporation areas. It may however be mentioned that no rulings or law has been shown to me wherein the posting of a person in the same office is prohibited. Even the latest promotion policy (Ext. W-1) which will come into force from 1st May 1970 does not prohibit posting of a clerk in the same office on promotion to officers Cadre. It is, however, managements sole discretion where to post an officer in the exigencies of administration. As such my answer to the 1st issue "Whether the transfer of Shri R. K. Banerjee, on promotion from Patna office to any office in the group outside the Corporation area of Patna be insisted by the Bank management" will be in the affirmative. The management will be justified to insist on Shri Banerjee's transfer outside corporation area of Patna if he accepts the promotion in the officers cadre, and I award accordingly.

15. The next issue for my determination is "Can Shri Banerjee claim any privilege and insist on being posted at the same station where he was working as clerk". I have gone through the submissions of both the parties in this regard. The question of Shri Banerjee's transfer arose on account of his promotion to officers cadre. Shri Banerjee has categorically stated that his family circumstances do not permit him to go out of Patna and hence he is willing to forgo his promotion. As such I do not think that the management will be justified in denying him the existing facilities and privileges which he has been enjoying as a workman. In this connection my attention has been drawn to the fact that Shri Banerjee has been working as a Special Assistant in the Patna main office as and when any vacancy arose, being the senior most workman in the branch, to the entire satisfaction of his officers and that this facility has since been withdrawn. I am unable to agree with the managements contention that since Shri Banerjee refused to go out on promotion, all the existing privileges which has been getting as a workman should be withdrawn. This amounts to pressurising him. I award that Shri Banerjee should continue to get the existing privileges as a clerk including officiating as Special Assistant as and when vacancy arises.

16. The Third issue is "Whether a person at a later stage can agree for being transferred on promotion at his own best will or choice. This reference is of a general nature. As already stated in proceeding paras. promotion and transfer is managements function and the workman has no choice except when the action of the management is proved to be mala fide. As such my answer to the reference is in negative.

As regards the 4th issue that "Can the member pick and choose a vacancy which he prefers? my answer is in the affirmative, if the person has option to do so otherwise not". The last issue is "Can a member of the All India officer cadre who is liable to be posted at any station in India insist on promotion and claim to be posted at any one particular station". My answer is again in negative, as the officer has no choice in it. The Management is the sole judge to decide where to transfer its officers on promotion in accordance with the needs of administration with an eye to its business interests.

This is my award.

PATNA:

Dated the 22nd April 1970

(Sd.) A. P. SINHA,

Assistant Commissioner (C) & Arbitrator.

[No. 23/11/70/LR-III.]

ORDER

New Delhi, the 27th April 1970

S.O. 1681.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the presiding officer of the Labour Court with headquarters at Bangalore, constituted by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Employment, No. S.O. 459, dated the 5th February, 1963;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri A. N. Sundara Murthy as the presiding officer of the Labour Court constituted as aforesaid.

[No. F. 1/24/70-LRI.]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 28th April 1970

S.O. 1682.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, (No 3) Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rise Area Bhagatdih Colliery, Post Office Dhanbar, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th April, 1970.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 3) AT DHANBAD

REFERENCE No. 56 OF 1969

PRESENT:

Shri Sachidanand Sinha, M.A.M.L., Presiding Officer.

PARTIES:

Employers in relation to the Management of Rise Area Bhagatdih Colliery.

Vs.

Their workmen.

APPEARANCES:

For employers.—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For workmen.—Shri S. Das Gupta, Secretary.

INDUSTRY: Coal.

STATE: Bihar.

Camp Patna, Dated the 15th of April 1970

AWARD

1. The Central Government, being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Rise Area Bhagatdih Colliery, Post Office, Dhansar, District Dhanbad and their workmen by its order No. 2/57/69-LRII. dated the 16th of August, 1969 referred to this Tribunal under section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication the dispute in respect of the matters specified in the Schedule annexed thereto. The Schedule is extracted below:—

SCHEDULE

“Whether the claims of Sarvashri R. P. Singh and K. P. Mukherjee, Mining Sirdars of Rise Area Bhagatdih Colliery, Post Office Dhansar, District-Dhanbad for the “D” Grade scale of pay of Rs. 205—7—247—10—337 as prescribed in the Central Wage Board for Coal Mining Industry are justified? If so to what relief are these workmen entitled?”

2. Secretary, Colliery Mazdoor Sangh filed written statement on behalf of the workmen on 17th September, 1969 and the employers filed their written statement on 13th October, 1969. But it is unnecessary to state the respective cases of the parties because the dispute has been settled.

3. Both the parties have filed a joint petition of compromise. According to the terms of compromise the management has agreed that S/Shri K. P. Mukherjee and R. P. Singh, Mining Sirdars will be put in the ‘D’ Grade scale of pay of Rs. 205—7—247—10—337 with effect from 15th August, 1967 and 5th January, 1968 respectively and that the difference in the wages, bonus and other dues, if any, for the period from 15th August, 1967 to March, 1970 in case of Sri K. P. Mukherjee and from 5th January, 1968 till March, 1970 in case of Sri R. P. Singh will be paid as follows:—

(a) That each one of the above Mining Sirdars will receive 75 per cent of the difference in wages, bonus and other dues, if any, for the period stated in full and final settlement of their claims for all arrear claim and demands till the date of the settlement.

(b) That the above 75 per cent will be paid to the workmen concerned within six months from date by six monthly instalments.

4. The terms are fair and reasonable and are accepted. Accordingly an award is made in terms of the joint petition of compromise a copy of which is annexed with award. The award may now be submitted to the Government under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

Sd./SACHIDANAND SINHA,
Presiding Officer.

ANNEXURE 'A'

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 3, DHANBAD

REFERENCE No. 56 of 1969

Employers in relation to the management of Bhuggatdih Rise Area Colliery.

AND

Their workmen.

That without prejudice to the contentions of the parties contained in their respective written statements, the above reference has been amicably settled between the parties on the following terms:—

- (1) That Sarvasri K. P. Mukherjee and R. P. Singh, Mining Sirdars concerned in the present reference will be put in the 'D' Grade scale of pay of Rs. 205—7—247—10—337 with effect from 15th August, 1967 and 5th January, 1968 respectively.
- (2) That the difference in the wages, bonus and other dues, if any, for the period from 15th August, 1967 to March, 1970 in case of Sri K. P. Mukherjee and from 5th January, 1968 till March, 1970 in case of Sri R. P. Singh will be paid as follows:—
 - (a) That each one of the above Mining Sirdars will receive 75 per cent of the difference in wages, bonus and other dues, if any, for the period stated in full and final settlement of their claims for all arrear claim and demands till the date of the settlement.
 - (b) That the above 75 per cent will be paid to the workmen concerned within six months from date by six monthly instalments.
- (3) That the above terms of settlement finally resolves the dispute between the parties concerning the present reference.

It is, therefore, humbly prayed that the settlement may kindly be recorded and an Award passed in terms thereof.

For the workmen:

1. (Sd.) Illegible.
2. (Sd.) Illegible.

For the Employers:

1. (Sd.) Illegible,
Agent,
Bhuggutdih Colliery.

Witnesses:—

1. (Sd.) Illegible.
2. (Sd.) Illegible.

Dated, the 10th April 1970

[No. 2/57/69-LR.II.]

New Delhi, the 30th April 1970

S.O. 1683.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 3) Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of West Gopalchuck Colliery of Messrs Central Kirkand Coal Company Limited, Post Office Kusunda, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd April, 1970.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO.3) AT DHANBAD.

REFERENCE No. 60 OF 1969.

PARTIES:

Sri Sachidanand Sinha, M.A.M.L., Presiding Officer.

PRESENT:

Employers in relation to the management of West Gopalchuck Colliery of
Messrs Central Kirkand Coal Company Limited,

Versus.

Their workmen.

APPEARANCES:

For employers: Sri M. N. Mukherjee.

For workmen: Sri Lalit Burman, General Secretary.

INDUSTRY: COAL

STATE: BIHAR

Dhanbad, Dated the 8th of April 1970

AWARD

1. The Central Government, being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relating on to the management of West Gopalichuck Colliery of Messrs Central Kirkand Coal Company Limited, Post Office Kusunda District Dhanbad and their workmen by its order No. 2(280)/68-LRII dated the 22nd August, 1969 referred to this Tribunal under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication the dispute in respect of the matters specified in the schedule annexed thereto. The Schedule is extracted below:—

SCHEDULE I

“Whether the management of West Gopalichuck Colliery of Messrs Central Kirkand Coal Company Limited, Post Office Kusunda, District Dhanbad was justified in dismissing 68 miners (Names mentioned in Schedule II) with effect from the 16th October, 1968 and 52 miners (Names mentioned in Schedule III) with effect from the 14th October, 1968. If not, to what relief are these workmen entitled?”

SCHEDULE II

Sl. No.	Name	Designation	Date from which dismissed
1	2	3	4
1	Sukar Hazam	Miner	16-10-1968
2	Keman Hazam	”	”
3	Bimal Hazam	”	”
4	Akbali Mia	”	”
5	Kasmali Mia	”	”
6	Khalil Mia	”	”
7	Dhaneswar Pashi	”	”
8	Asrof Mia	”	”
9	Anwar Hussan	”	”
10	Turab Kahan No. 2	”	”
11	Chandu Pashi	”	”
12	Ghanu Chamar	”	”
13	Nasir Mia	”	”
14	Banwari Pashi	”	”
15	Safi Khan	”	”
16	Sibon Chamar	”	”
17	Makbul Khan	”	”
18	Dinaram Kahar	”	”
19	Jogeswar Pashi	”	”
20	Sukhai Pashi	”	”
21	Sahadeo Shaw	”	”
22	Bhayaram Pashi	”	”
23	Bhalroo Pashi	”	”
24	Jokhan Pashi	”	”
25	Deoki Rajwar	”	”
26	Suleman Mia	”	”
27	Salamat Mia	”	”
28	Suleman Mia No. 1	”	”
29	Tasir Mia	”	”
30	Uddin Mia	”	”
31	Sarif Mia	”	”
32	Rahim Mia	”	”

I	2	3	4
33	Nuro Mia	Miner	16-10-1968
34	No. 2 Sahadeo Bhuia	"	"
35	Horil Mahato	"	"
36	Chotu Dhobi	"	"
37	Horil Dusad	"	"
38	Karoo Dhobi	"	"
39	Sudan Mia	"	"
40	Samarali Mia	"	"
41	Ali Mia	"	"
42	Basaratali Mia	"	"
43	Ch. Babun Mia	"	"
44	Darbari Dusad	"	"
45	Idu Mia	"	"
46	Hasmali Mia	"	"
47	Hamid Mia	"	"
48	Karoo Mia No. 2	"	"
49	Janki Bhuia	"	"
50	Jogeswar Mahato	"	"
51	Issaque Mia	"	"
52	Askali Mia	"	"
53	Haroo Dusad	"	"
54	Arjoon Paswan	"	"
55	Kaila Mia	"	"
56	Karoo Mia	"	"
57	Latoo Barhi	"	"
58	Ramabatar Pashi	"	"
59	Panonam Pashi	"	"
60	Sitaram Pashi	"	"
61	Badri Kumhar	"	"
62	Baldeo Bhuia	"	"
63	Jhari Mahato	"	"
64	Lala Pashi	"	"
65	Ahmad Mia No. 2	"	"
66	Tukan Bhuia	"	"

SCHEDULE III

Sl. No.	Name	Designation	Date from which dismissed.
2	2	2	4
1	Johur Mia	Miner	14-10-1968
2	Ahamad Mia	"	"
3	Muslim Mia	"	"
4	No. 2 Subhani Mia	"	"
5	Sahaban Mia	"	"
6	Samtali Mia	"	"
7	Joban Mia	"	"
8	Tilok Hazam	"	"
9	Biswar Chamar	"	"
10	Balachand Choudhary	"	"
11	Ramabatar Dusad	"	"
12	Pitambar Dusad	"	"
13	Jagdish Dusad	"	"
14	Janki Dusad	"	"
15	Subani Mia	"	"
16	Bhatu Mia	"	"
17	Dawal Mia	"	"
18	Sarta Mia	"	"
19	Masarali Mia	"	"
20	Jumrati Mia	"	"

1	2	3	4
21	Janki Ram	Miner	14-10-1968
22	Waaid Mia	"	"
23	Sahadat Mia	"	"
24	Md. Rafik Mia	"	"
25	Pitoc Mia	"	"
26	Imaman Mia	"	"
27	Bakash Mia	"	"
28	Somar Mia	"	"
29	Hulash Mia	"	"
30	Budhram Pashu	"	"
31	Hiroo Pasi	"	"
32	Saryanarain Pasi	"	"
33	No. 1 Hublal Pasi	"	"
34	No. 2 Ranamatali Mia	"	"
35	Lukan Hazam	"	"
36	Sarifuddin Mia	"	"
37	Latoo Mia	"	"
38	Mohd. Ali Mia	"	"
39	B. Babun Mia	"	"
40	Inus Mia	"	"
41	Samari Bhuia	"	"
42	No. 1 Rajbali Mia	"	"
43	Imamuddin Mia	"	"
44	Hanif Mia	"	"
45	Jehali Mia	"	"
46	Churaman Mia	"	"
47	Butaran Dusad	"	"
48	Chandu Dusad	"	"
49	Hari Chamar	"	"
50	Gulab Bhuia	"	"
51	Siba Chamar	"	"
52	Roshan Bhuia	"	"

2. The General Secretary, Bihar Koyla Mazdoor Sabha filed written statement on behalf of the workmen on 21st November, 1969 and the employers filed written statement on 1st December, 1969. But it is unnecessary to state the respective cases of the parties because the dispute has been settled.

3. The parties negotiated the dispute and have settled it amicably. According to the terms of settlement the management has agreed to re-instate with immediate effect the workmen whose names are mentioned in the Schedule II and III of the Order of reference, except Sl. Nos. 10, 16, 17, 25, 39 of Schedule II and Sl. No. 44 of Schedule III who resigned during the pendency of the present preceding and have withdrawn their accumulations in the Coal Mines Provident Fund and in the matter of allotment of work. The concerned minors shall be given preference in depillaring area and/or in the development area in 10 seam top section where the height of the gallery is above 6 ft. The continuity of services of the workmen shall be maintained but they will not be paid the wages for the period of idleness and the period of idleness shall be treated as leave without pay. However, as a gesture of goodwill, the management shall pay Rs. 9,000 (Rupees Nine Thousand) only as ex-gratia to the workmen concerned. The amount to be paid to each workmen will be decided in consultation with the Union. The above payments shall be made to the concerned workmen within 15 days from the date of this settlement. The management has also agreed to pay to the concerned workmen their legal dues (as may be outstanding) on account of unpaid wages, quarterly bonuses, profit sharing bonus etc. within a month. The management further agreed to withdraw the complaint cases filed by the Manager, West Gopalichuck Colliery in wake of industrial dispute pending in the Court of Shri 8. L. Verma, Munsif Magistrate, Class I, Dhanbad. It has been agreed between the parties that the concerned workmen shall report for duty within fifteen days from the date of the operation of the Award and that they shall have no further claim on each other in respect of the present proceedings.

4. The terms are fair and reasonable and the same are accepted. Accordingly an award is made in terms of the joint petition of compromise, a copy of which is annexed with the award. It may now be submitted to the Central Government under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

Encl. Annexure

(Sd.) SACHIDANAND SINHA,
Presiding Officer.

ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, DHANBAD

REFERENCE No. 60 of 1969

PARTIES:

Employers in relation to west Gopalichuck Colliery of M/s. Central Kurkend Coal Co. Ltd., P. O. Kusunda, Dist. Dhanbad.

AND

Their workmen, represented by the Bihar Koyla Mazdoor Sabha, Dhanbad.

Joint Petition of Compromise

The parties above named beg to submit that they have mutually discussed among themselves and have settled the instant dispute on the following terms and conditions:—

Terms of Settlement

1. That the management of West Gopalichuck Colliery of M/s. Central Kurkend Coal Co. Ltd., hereby agrees to re-instate with immediate effect the workmen whose names are mentioned in the Schedule II and III of the Order of Reference, except Sl. Nos. 10, 16, 17, 25, 39 of Schedule II and Sl. No. 44 of Schedule III who resigned during the pendency of the present proceeding and have withdrawn their accumulations in the Coal Mines Provident Fund.

2. That it is further agreed that in the matter of allotment of work, the concerned miners shall be given preference in depillaring area and/or in the development area in 10 seam top section where the height of the gallery is above 6 ft.

3. That the parties agree that while the continuity of services of the workmen shall be maintained they will not be paid the wages for the period of idleness and the period of idleness shall be treated as leave without pay.

4. That, however, as a gesture of goodwill, the management shall pay Rs. 2,000/- (Rupees Nine Thousand) only as ex-gratia to the workmen concerned. The amount to be paid to each will be decided in consultation with the Union.

5. That the above payments shall be made to the concerned workmen within 15 days from the date of this settlement.

6. That the management also agrees to pay to the concerned workmen their legal dues (as may be outstanding) on account of unpaid wages, quarterly bonuses, profit sharing bonus, etc. etc. within a month from date.

7. That the management hereby agrees to withdraw the complaint cases filed by the Manager, West Gopalichuck Colliery in wake of industrial disputes (Misc. Case No. 2/68 and Misc. case No. 2/69) pending in the court of Shri T. L. Verma, Munsiff Magistrate, Class I, Dhanbad.

8. That it is further agreed between the parties that the concerned workmen shall report for duty within fifteen days from the date of the operation of the Award.

9. That the parties agree that they shall have no further claim on each other in respect of the present Proceedings.

It is, therefore, humbly prayed that the Honourable Tribunal may be pleased to accept the above terms of settlement as fair and reasonable and may be pleased to pass an Award accordingly.

For the Workmen,

For the Employers of West Gopalichuck Colliery of Central Kurkend Coal Co. Ltd.,

(Sd.) Illegible,
General Secretary,
Bihar Koyla Mazdoor Sabha, Dhanbad.

(Sd.) Illegible,
Director.

Dated, the 3rd April 1970

[No. 2/260/68-LR.II.]

New Delhi, the 1st May 1970

S.O. 1684.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Chora No. 7 and 9 Pits Colliery, Post Office Chora, District Burdwan and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th April, 1970.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

REFERENCE No. 107 OF 1969

PARTIES:

Employers in relation to the management of Chora No. 7 and 9 Pits Colliery,

AND

Their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of Employers Absent
On behalf of Workmen

STATE: West Bengal

INDUSTRY: Coal Mines

AWARD

By Order No. 6/31/69-LR.II, dated December 15, 1969, the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation, (Department of Labour and Employment), referred the following industrial dispute between the employers in relation to the management of Chora No. 7 and 9 Pits Colliery and their workmen, to this Tribunal, for adjudication, namely:

"Whether the management of Chora No. 7 and 9 Pits Colliery, Post Office Chora, District Burdwan was justified in dismissing the following Loaders with effect from the 14th January, 1969:—

- | | |
|-----------------------------|--------|
| 1. Shri Sukhmangal Harijan | Loader |
| 2. Shri Ma-tadin Passy | Loader |
| 3. Shri Bachal Ram Passy | Loader |
| 4. Shri Sarban Harijan | Loader |
| 5. Shri Mouji Jaiswara | Loader |
| 6. Shri Hanuman Rajbhar | Loader |
| 7. Shri Inarmal Hazam | Loader |
| 8. Shri Kataroo Jaiswara | Loader |
| 9. Shri Rambali Kurmi | Loader |
| 10. Shri Rambali Gorori | Loader |
| 11. Shri Nagina Shao | Loader |
| 12. Shri Bisaranjan Harijan | Loader |

If not, to what relief they are entitled?"

2. As is usual with the management of this colliery, there has not been much cooperation shown by the management with the Tribunal. What is worse, the workmen represented by the Asansol Coal Field Workers' Union have been conspicuous by their absence. The management merely filed a written statement only after the date of peremptory hearing had been fixed by this Tribunal. The workmen did not even do that.

3. It is stated in paragraph 13 of the written statement of the management that the workmen named against Sl. Nos. 2,3,9 and 10 in the Schedule to the Order of Reference compromised their dispute with the management, received full and final payment of their claims and no further dispute existed as between those workmen and the management.

4. Regard being had to the attitude exhibited by the other workmen, I have reasons to believe that they also have no further dispute with the management and do not propose to have their dispute adjudicated upon by this Tribunal.

5. I therefore pass a 'no dispute' award between the parties.

(Sd.) B. N. BANERJEE,
Presiding Officer.

Dated, April 22, 1970.

[No. 6/31/69-LR.II]

ORDERS

New Delhi, the 24th April 1970

S.O. 1685.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Maidanpat and Birhnipat Bauxite Mines of Messrs Hindustan Aluminium Corporation Limited, Post Office Richughuta, District Palamau (Bihar) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal (No. 3), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the demand of the workmen of Maidanpat and Birhnipat Bauxite Mines of Messrs Hindustan Aluminium Corporation Limited, Post Office Richughuta, District Palamau (Bihar) for 20 per cent Profit Sharing Bonus for the year ending 31st December, 1968 is justified? If not, to what relief are they entitled?"

[No. 10/16/70-LR. IV]

S.O. 1686.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employer Sri G. C. Behera, Raising Contractor in Kasia Iron Mines of Messrs S. Lal and Company (Private) Limited, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 2) Dhanbad constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the discharge from service of Sri P. C. Das, a Mining mate by Sri G. C. Behera, Raising Contractor in Kasia Iron Mines of Messrs S. Lal and Company (Private) Limited, Barbil with effect from the 17th January, 1970, is justified? If not to what relief is he entitled?

[No. 12(12)/70-LR-IV]

New Delhi, the 27th April 1970

S.O. 1687.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Ena Colliery of Messrs North West Coal Company Limited, Post Office Dhansar, District Dhanbad and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And Whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, (No. 3) Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Ena Colliery of Messrs North West Coal Company Limited, Post Office Dhansar, District Dhanbad in terminating the services of Shri Doman Mallah, Haulage Khalasi with effect from the 6th January, 1969, was justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

[No. 2/17/70-LR. II]

New Delhi, the 29th April, 1970

S.O. 1688.—Whereas the industrial disputes specified in the Schedule hereto annexed are pending before the Industrial Tribunal, Jabalpur;

And whereas for the ends of justice and convenience of parties, the said disputes should be disposed of without further delay;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and sub-section (1) of section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri G. V. Deo, as the Presiding Officer, with headquarters at Nagpur, withdraws the proceedings in relation to the said disputes pending before the Industrial Tribunal, Jabalpur, and transfers the same to the Industrial Tribunal constituted with Shri G. V. Deo as Presiding Officer thereof and directs that the said Tribunal shall proceed with each case from the stage at which they are transferred and dispose of the same according to law.

SCHEDULE

Order No.	Parties to the dispute,
1. Order No. 5/34/69—LR. II, dated 12-1-70 and S. O. No. 314 dated 17-1-70	Management of Chugus Colliery and their workmen.
2. Order No. 3/1/70—LR. II, dated 27-1-70 and S. O. No. 456 dated 7-2-70.	Management of Ballarpur Colliery and their workman Shri Mohanlal Hubblal.

[No. 8/60/70-LR.II.]

S.O. 1689.—Whereas the employers in relation to the management of Bhowra Colliery of Messrs Bhowra Kankanee Collieries Limited, Post Office Bhowra, District Dhanbad and their workmen represented by the Colliery Mazdoor Sangh, Bhowra Colliery Branch, Post Office Bhowra, District Dhanbad have jointly applied to the Central Government under sub-section (2) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), for reference of an industrial dispute that exists between them to an Industrial Tribunal in respect of the matters set forth in the said application and reproduced in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government is satisfied that the persons applying represent the majority of each party;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, (No. 3) Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the claim of the Trammers of Bhowra Colliery to enhance the rate of Trammings consequent upon the increase in the size of Tubs from 36 C. Ft. to 40½ C. Ft. are justified? If so, what should be quantum of enhanced rate?"

[No. 3/61/69-LR.II.]

P. C. MISRA, Under Secy.

(Department of Rehabilitation)

(Office of the Chief Settlement Commissioner)

New Delhi, the 25th April 1970

S.O. 1690.—In exercise of the powers conferred on the Chief Settlement Commissioner by Sub-Section 2 of Section 10 of the Displaced Persons (Claims) Supplementary Act, 1954 (XII of 1954), he hereby delegates to Shri Gulab L.

Ajwani, Regional Settlement Commissioner, New Delhi, the following powers of Chief Settlement Commissioner:—

1. Powers to call for the record of any case decided by the Settlement Officer and pass orders in the case under proviso to Sub-Section (3) of Section 4 of the said Act.
2. Special powers of revision under Section 5 of the said Act in respect of cases decided upon under the Displaced Persons (Claims) Supplementary Act, 1950 (44 of 1950).

[No. 5(6) AGZ/66]

S. K. GANGOPADHYAY,
Chief Settlement Commissioner.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

ORDERS

New Delhi, the 24th April 1970

S.O. 1691.—In pursuance of the directions issued under the provisions of the enactments specified in the First Schedule annexed hereto the Central Government after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the film specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in all their language versions to be of the description specified against each in column 6 of the said Second Schedule.

THE FIRST SCHEDULE

(1) Sub-Section (4) of the Section 12 and Section 16 of the Cinematograph Act, 1952 (Central Act XXXVII of 1952).

(2) Sub-Section (4) of Section 5 and Section 9 of the Bombay Cinemas (Regulation) Act, 1953 (Bombay Act XI of 1953).

THE SECOND SCHEDULE

S. No.	Title of the film	Length 35 mm	Name of the Applicant	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news & current events or a documentary film.
			Name of the Producer	
1	Maharashtra News MS. 214	302.00M	Director of Publicity, Government of Maharashtra, 68-Film Centre, Tardeo Road, Bombay.	Film dealing with news and current events (for release in Maharashtra Circuit only).
2	Duritache Timer-Javo	308.76M	Director of Publicity, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68-Tardeo Road, Bombay-34.	Film intended for educational purposes (for release in Maharashtra Circuit only).

[No. F. 28/1/70-FP App. 1446.]

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1970

एस० ओ० 1691.—इसके साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किये गये निदेशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सलाहकार बोर्ड,

बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद, एतद्वारा, इसके साथ नयी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्मों को उनके सभी भाषाओं के रूपान्तरों सहित, जिनका विवरण प्रत्येक के सामने उक्त द्वितीय अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है :—

प्रथम अनुसूची

1. चलचित्र अधिनियम 1952 (1952 का 37वां केन्द्रीय अधिनियम) की धारा 12 की उपधारा (4) तथा धारा 16।
2. बम्बई सिनेमा (विनियम) अधिनियम 1953 (1953 का 11वां बम्बई अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (3) तथा धारा 9।

द्वितीय अनुसूची

क्रम संख्या	फ़िल्म का नाम	लम्बाई 35 मि० मो०	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा सम्बन्धी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमेन्ट्री फिल्म है।
1	2	3	4	5	6
1.	महाराष्ट्र समाचार संख्या 214.	302.00 मी०	प्रचार निदेशक, महाराष्ट्र सरकार, 68- सेंटर, तारदेव बम्बई-34.	फिल्म रोड,	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (केवल महाराष्ट्र सर्किट के लिये)
2.	इयूरितचे जावो तिमिर	308.76 मी०		तबैव	शिक्षा सम्बन्धी फिल्म (केवल महाराष्ट्र सर्किट में रिलीज करने के लिये)

[संख्या फ० 28/1/70-एफ०पी०-परिशिष्ट 1446.]

New Delhi, the 29th April 1970

S.O. 1692.—In pursuance of the directions issued under the provisions of each of the enactments specified in the First Schedule annexed hereto, the Central Government after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the film specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in Gujarati to be of the description specified against it in column 6 of the said Second Schedule.

THE FIRST SCHEDULE

- (1) Sub-Section 4 of the Section 12 and Section 16 of the Cinematograph Act, 1952 (Central Act XXXVII of 1952).
- (2) Sub-Section (3) of Section 5 and Section 9 of the Bombay Cinemas (Regulation) Act, 1953 (Bombay Act XVII of 1953).

(3) Sub-Section (4) of Section 5 and Section 9 of the Saurashtra Cinemas (Regulation) Act 1953 (Saurashtra Act XVII of 1953).

THE SECOND SCHEDULE

S. No.	Title of the film	Length 35 mm	Name of the Applicant	Name of the Producer	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news & current events or a documentary film.
1	2	3	4	5	6
1	Mahitichitra Number 122 (Gujarati).	274.31 M	Director of Information, Govt. of Gujarat, Sachivalaya, Ahmedabad-15.		Film dealing with news and current events (for release in Gujarat Circuit only).

[No. F. 28/1/70-FP-App, 1448.]

दिल्ली, 29 अप्रैल 1970

एस० प्रो० 1692.—इस के साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किये गये निदेशों के अनुसार केन्द्रीय सरकार फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद एतद्वारा इसके साथ लगी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म की उसके गुजराती भाषा रूपान्तर सहित जिसका विवरण उसके सामने उक्त द्वितीय अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है :—

प्रथम अनुसूची

(1) चलचित्र अधिनियम 1952 (1952 का 37वां केन्द्रीय अधिनियम) की धारा 12 की उपधारा (4) तथा धारा 16।

(2) बम्बई सिनेमा (विनियम) अधिनियम 1953 (1953 का 17वां बम्बई अधिनियम) की धारा 5 की उपधारा (3) तथा धारा 9।

(3) सौराष्ट्र सिनेमा (विनियम) अधिनियम 1953 (1953 का 17वां सौराष्ट्र अधिनियम) की धारा 5 की उपधारा (4) तथा धारा 9।

द्वितीय अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	फिल्म की लम्बाई 35 मि० मी०	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा सम्बन्धी फिल्म है या समाचार और सामयिक घट- नाओं की फिल्म है या डाकुमेंट्री फिल्म है।
1	2	3	4	5	6
1.	महितिचित्रा संख्या 122 (गुजराती)	274. 31 मीटर	सूचना निदेशक, सचिवालय,	गुजरात सरकार अहमदाबाद-15।	समाचार और सामयिक घट- नाओं से सम्ब- न्धित फिल्म केवल गुजरात सर्किट के लिये)

[संख्या फाईल 28/1/70-एफ० पो० परिशिष्ट 1448.]

S. O. 1693.—In pursuance of the directions issued under the provisions of the enactments specified in the First Schedule annexed hereto the Central Government after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the film specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in all its language versions to be of the description specified against it in column 6 of the said Second Schedule.

THE FIRST SCHEDULE

(1) Sub-Section (4) of Section 5 of Uttar Pradesh Cinemas (Regulation) Act, 1956 (Uttar Pradesh Act 3 of 1956).

THE SECOND SCHEDULE

S. No.	Title of the film	Length 35 mm	Name of the Applicant	Name of the Producer	Whether a Scientific film or a film intend- ed for educational purposes or a film dealing with news & current events or a documentary film.
1	2	3	4	5	6
1	Uttar Pradesh Samachar No. 5	294.74M	Shri Dharendra Pande C/o Bombay Film Laboratory (P) Limited, Dadar, Bombay-28.	Shri Mahesh Prasad, Direc- tor of Informa- tion Govt. of Uttar Pradesh Lucknow.	Film dealing with news & current events (for release in U.P. Circuit only)

एस० नो० 1693.—इस के साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किये गये निदेशों के अनुसार केन्द्रीय सरकार फिल्म सलाहकार बोर्ड बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद एतद्वारा इसके साथ लगी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उसके सभी भाषाओं के रूपान्तर सहित जिसका विवरण उसके सामने उक्त द्वितीय अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है :—

प्रथम अनुसूची

(1) उत्तर प्रदेश सिनेमा (विनियम) अधिनियम 1955 (1956 का तीसरा उत्तर प्रदेश अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (4)।

द्वितीय अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	लम्बाई 35 मि० मी०	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या फिल्म है या शिक्षा सम्बन्धी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमेंट्री फिल्म है।
-------------	--------------	-------------------	--------------	-----------------	---

1	2	3	4	5	6
1.	उत्तर प्रदेश समाचार संख्या 5	294.74 मीटर	श्री धीरेन्द्रा पांडे, द्वारा बम्बई फिल्म लेबोरेटरी पराई-बेट लि० दादर बम्बई-28।	श्री महेश प्रशाद सूचना निदेशक, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ।	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (केवल उत्तर प्रदेश सर्किट के लिए)

[सं० फाईल 28/1/70—एफ० पी० परिशिष्ट 1451.]

3.0. 1694.—In pursuance of the directions issued under the provisions of the enactments specified in the First Schedule annexed hereto the Central Government after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in all its language versions to be of the description specified against it in column 6 of the said Second Schedule.

THE FIRST SCHEDULE

(1) Sub-Section (4) of Section 5 of the Punjab Cinemas (Regulation) Act, 1952 (Punjab Act XI of 1952).

THE SECOND SCHEDULE

S. No.	Title of the film	Length 35 mm	Name of the Applicant	Name of the Producer	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news & current events or a documentary film.
1	2	3	4	5	6
1	Sri Guru Nanak Prakash	472.44M	Naveen Pictures, Niggar Mandi, Ludhiana and C/o 206, Famous Studios, Mahalaxmi, Bombay-11		Documentary Film (for release in Punjab Circuit only).

[No. F. 28/1/70-PP App.1452.]

K. K. KHAN, Under Secy.

एस० नो० 1694.—इसके साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किये गये निदेशों के अनुसार केन्द्रीय सरकार फिल्म सलाहकार बोर्ड बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद एतद्वारा इसके साथ लगी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उसके सभी भाषाओं के रूपान्तर सहित जिसका विवरण उसके सामने उक्त द्वितीय अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है :—

प्रथम अनुसूची

(1) पंजाब सिनेमा (बिनियम) अधिनियम 1952 (1952 का 11 वां पंजाब अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (4)।

द्वितीय अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	लम्बाई 35 मि० मी०	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा सम्बन्धी फिल्म है या समाचार और साम-यिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमेन्ट्री फिल्म है
1	2	3	4	5	6
1.	श्री गुरु नानक प्रकाश	472.44 मीटर	नवीन पिक्चरज, निगार मंडी, लुधि-याना और, द्वारा 206, फेमस स्टूडियोज महालक्ष्मी, बम्बई-11।		डाकुमेन्ट्री फिल्म (केवल पंजाब सर्किट के लिए)

[संख्या फाईल 28/1/70-एफ० पी० परिशिष्ट 1452]

क० क० खान, प्रवर सचिव ।

